सूर्योदय : 06.26 बजे
सूर्यास्त : 05.34 बजे
सोमवार, 24 अक्टूबर 2022
वर्ष-2-अंक 299
मूल्य 2 पृष्ठ 8
e-mail: aknewstv2@gmail.com
RNI TITLE CODE : UPHIN49345

हिन्दी दैनिक अमर ख्याल

जुनून सच का

(महमूदाबाद) सीतापुर से प्रकाशित

प्रधानमंत्री मोदी ने किया दीपोत्सव का शुभारंभ, 37 घाटों पर जले 15.76 लाख दीये, विश्व रिकॉर्ड बना

दीपों से 'दिव्य' अयोध्या जी, भावनाओं से 'भव्य' अयोध्या जी

एजेंसी ⏭ अयोध्या

अयोध्या में रविवार को दीपोत्सव धूमधाम से मनाया गया। दीपोत्सव में 15.76 लाख दीये जलाए गए। सरयू पर जैसे स्वर्गलोक उतर आया। पीएम नरेंद्र मोदी ने नया घाट पहुंचकर सरयू आरती की। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने दीपोत्सव की शुरुआत करने के बाद कहा कि भारत के कण-कण में, जन-जन के मन में राम हैं। ईद से दिवाली तक, यही तो भारत की संस्कृति है। दिया खुद जलता है और रोशनी सबको देता है। देश ने कितनी ही गंभीर स्थितियों को देखा है,

पीएम मोदी ने किए रामलला के दर्शन

प्रधानमंत्री मोदी ने रामलला का दर्शन करने के बाद अयोध्या लौटे भगवान राम का प्रतीकात्मक रूप से राज्याभिषेक किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या की रामलीला, सरयू आरती, दीपोत्सव के माध्यम से ये दर्शन विश्वभर में फैल रहा है। पीएम ने देशवासियों को दिवाली की बधाई दी और कहा कि ये दिवाली ऐसे समय पर आई है जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं।

सरयू तट पर उतरा 'स्वर्गलोक'

पीएम ने कहा

- भारत के कण-कण में, जन-जन के मन में राम, जब दुनिया की बड़ी-बड़ी शक्तियों का सूरज अस्त हो रहा था तब हमारी उम्मीदों का दिया जगमगा रहा है
- हम जीते इसलिए कि हमने दीप जलाना नहीं छोड़ा। विश्वास करना नहीं छोड़ा। जीतता राम रूपी सदाचार है। रावण रूपी दुराचार तो हारता है।

शुभकामना

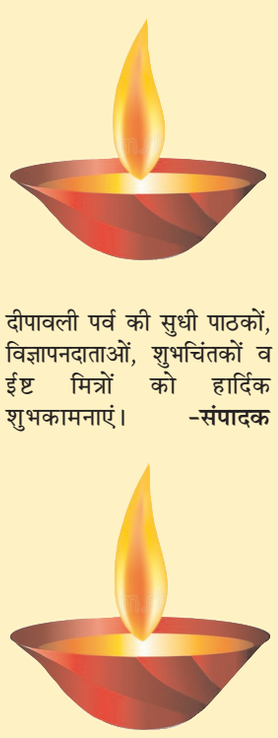

दीपावली पर्व की सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, शुभचिंतकों व ईष्ट मित्रों को हार्दिक शुभकामनाएं। -संपादक

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट के तहत लिया एक्शन

गांधी परिवार के दो एनजीओ का लाइसेंस रद्द, विदेशी फंडिंग के आरोप में कार्रवाई

केंद्र सरकार ने रविवार को गांधी परिवार से जुड़े दो गैर सरकारी संगठनों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके लाइसेंस रद्द कर दिएहै। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) और राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट (आरजीसीटी) के विरुद्ध कार्रवाई की है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राजीव गांधी फाउंडेशन और चैरिटेबल ट्रस्ट अब नहीं ले सकेंगे विदेश से धनराशि

सोनिया, राहुल और प्रियंका ट्रस्टी

बताते चलें कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी आरजीएफ की अध्यक्ष हैं। जबकि अन्य ट्रस्टियों में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम और राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हैं। आरजीएफ की वेबसाइट के मुताबिक, संगठन को 1991 में स्थापित किया गया।

गृह मंत्रालय ने ये कार्रवाई फॉरेन कन्ट्रीब्यूशन एक्ट के तहत की है। संगठन पर विदेशी फंडिंग कानून के कथित उल्लंघन का आरोप है। गृह मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक, जुलाई 2020 मे एमएचए ने मंत्रालय के अंदर जांच कमेटी बनाई थी, उसकी रिपोर्ट के आधार पर ये फैसला लिया गया है। इस जांच कमेटी में एमएचए, ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स के अधिकारी शामिल थे। सूत्रों का कहना है कि एफसीआरए लाइसेंस कैंसिल करने का नोटिस राजीव गांधी फाउंडेशन के ऑफिस बियरर को भेज दिया गया है।

फाउंडेशन पर चीन से फंडिंग का आरोप

बता दें कि जून 2020 में बीजेपी ने फाउंडेशन पर विदेशी फंडिंग का आरोप लगाया था। तत्कालीन कानून मंत्री और बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने दावा किया था कि चीन ने राजीव गांधी फाउंडेशन के लिए फंडिंग की है। एक कानून है जिसके तहत कोई भी पार्टी बिना सरकार की अनुमति के विदेश से पैसा नहीं ले सकती. कांग्रेस स्पष्ट करे कि इस डोनेशन के लिए क्या सरकार से मंजूरी ली गई थी? उन्होंने दावा किया था कि राजीव गांधी फाउंडेशन के लिए 2005-06 की डोनर की सूची है। इसमें चीन के एम्बेसी ने डोनेट किया- ऐसा साफ लिखा है। ऐसा क्यों हुआ? क्या जरूरत पड़ी? इसमें कई उद्योगपतियों, पीएसयू का भी नाम है। क्या ये काफी नहीं था कि चीन एम्बेसी से भी रिश्वत लेनी पड़ी. उन्होंने दावा किया कि चीन से फाउंडेशन को 90 लाख की फंडिंग की गई।

गांधी परिवार को बदनाम करने का प्रयास

इधर, राजस्थान के सीएम व दिग्गज कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा, राजीव गांधी फाउंडेशन और राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट के एफसीआरए लाइसेंस रद्द करना मोदी सरकार के राजनीतिक दुर्भावना का प्रतीक है। इन दोनों संस्थानों का भूकंप, सुनामी और कोविड सहित हर आपदा के पीड़ितों की मदद करने का इतिहास रहा है। राजीव गांधी फाउंडेशन अनाथों, महिलाओं और विकलांगों की सेवा के लिए काम करता है। केवल राजनीतिक कारणों से इन संस्थानों पर हमला करना मोदी सरकार द्वारा गांधी परिवार को बदनाम करने के लिए एक और कुप्रयास है।

कानून से ऊपर कोई नहीं : भाजपा

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि कानूनों के कथित उल्लंघन पर राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) और राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट (आरजीसीटी) पर कार्रवाई ने उनके भ्रष्टाचार को 'उजागर' कर दिया है। इन एनजीओ को तत्कालीन सत्तारूढ़ सरकार से संरक्षण प्राप्त हुआ था, क्योंकि कई मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने उन्हें दान के रूप में बड़ी मात्रा में रकम दी थी।

टीम इंडिया ने दिया दिवाली गिफ्ट, झूम उठा देश

पाक को धोकर विराट ने जमीन पर बरसाए घूंसे, रोहित शर्मा ने कंधे पर उठाकर मनाया जीत का जश्न

हारते हुए मैच में जीत कर 'बाजीगर' साबित हुए कोहली मैच ऑफ द मैच

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पर धमाकेदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। मेलबर्न के मैदान पर विराट कोहली ने टीम इंडिया को हारा हुआ मैच जिताया और बाजीगर साबित हुए। कोहली ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस खेल के किंग क्यों कहलाते हैं? कोहली की इस पारी ने कप्तान रोहित शर्मा को इतना खुश कर दिया कि उन्होंने मैदान पर ही अपने स्टार खिलाड़ी को गोदी में उठा लिया। आखिरी गेंद पर जाकर टीम इंडिया को जीत मिली तो कोहली ने हमेशा की तरह अपने अंदाज में जश्न मनाया। उन्होंने जमीन पर घूंसे मारे और अपनी आक्रामकता दिखाई। उसी समय पर मैदान पर रोहित आए और कोहली को देखते ही खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने कोहली ⏭शेष पेज 5 पर

कोहली ने आखिर के ओवर्स में पलटा मैच

भारतीय टीम को जीत के लिए 160 रन बनाने थे। जबकि उसके टॉप तीन बल्लेबाज महज 26 रन पर ही लौट गए। कोहली उस समय क्रीज पर थे और फिर टीम इंडिया को जीत दिलाकर ही लौटे। उन्होंने दबाव भरे मुकाबले में 53 गेंदों पर 82 रन बनाए जिसमें छह चौके और चार छक्के जमाए। कोहली ने आखिर के तीन ओवर में मैच को पलट कर रख दिया।

भारत को मिला था 160 रनों का लक्ष्य

इससे पहले पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में आठ विकेट पर 159 रन बनाए थे। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पाकिस्तान के लिए शान मसूद ने नाबाद 52 और इफ्तिखार अहमद ने 51 रन बनाए। भारत के लिये अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या ने तीन तीन विकेट लिए जबकि मोहम्मद शमी और भुवनेश्वर कुमार ने एक- एक विकेट चटकाया।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी दो दिवसीय मिजोरम दौरा

गुवाहाटी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दीवाली के त्योहार के बाद अगले महीने की शुरुआत में पूर्वोत्तर भारत की यात्रा करेंगी। अपनी इस यात्रा के क्रम में वे नवंबर की शुरुआत में दो दिवसीय दौरे पर मिजोरम आएंगी। राज्य के एक अधिकारी ने इसके बारे में जानकारी दी। जुलाई में राष्ट्रपति बनने के बाद राष्ट्रपति मुर्मू की यह पहली मिजोरम यात्रा है।

कल शाम को लगेगा साल का दूसरा सूर्यग्रहण

नई दिल्ली। दीपावली के ठीक एक दिन बाद 25 अक्तूबर को साल का दूसरा सूर्य ग्रहण लगेगा। सूर्यग्रहण की वजह से केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के कपाट बंद रहेंगे। सूर्य ग्रहण का समय शाम 4 बजकर 29 मिनट पर शुरू होगा। सूर्य ग्रहण शाम 5 बजकर 42 मिनट पर समाप्त होगा।

पीएम मोदी ने सितंबर में दिया था निमंत्रण

अगले माह एक दिन की यात्रा पर भारत आएंगे सऊदी क्राउन प्रिंस

नई दिल्ली। सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान 14 नवंबर में भारत आएंगे। इस दौरान वह पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी ने उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। पीएम मोदी ने सितंबर महीने में विदेश मंत्री एस जयशंकर के जरिए सऊदी क्राउन प्रिंस को निमंत्रण भेजा था। सऊदी क्राउन प्रिंस 14 नवंबर की सुबह भारत पहुंचेंगे। यहां वह पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे।

लखनऊ एक्सप्रेस वे पर हादसा

कंटेनर और तेज रफ्तार बस की टक्कर में एक बच्ची समेत 4 की मौत, 42 घायल

इटावा। दीपावली के मौके पर जनपद इटावा में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सैफई थाना क्षेत्र के अंतर्गत आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे के चैनल नंबर 103 पर गोरखपुर से अजमेर जा रही डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर अपने आगे चल रहे कंटेनर से जा टकराई। इस हादसे में मौके पर ही एक बच्ची समेत 4 सवारियों की मौत हो गई जबकि 42 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा रविवार तड़के 3 बजे के आसपास हुआ है।

माओ के बाद दूसरे सबसे शक्तिशाली नेता बने

तीसरी बार सीपीसी के महासचिव चुने गए जिनपिंग, फिर राष्ट्रपति बनने का रास्ता साफ

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पांच साल के कार्यकाल के लिए रविवार को रिकार्ड तीसरी बार 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना' (सीपीसी) का महासचिव चुना गया और इसी के साथ उन्होंने इतिहास रच दिया। वह पार्टी संस्थापक माओ त्से तुंग के बाद सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के ऐसे पहले नेता हैं, जिन्हें तीसरा कार्यकाल मिला है। संभावना जताई जा रही है कि वह जीवन-पर्यंत चीन में सत्ता पर काबिज रहेंगे।

लेखक के प्रवक्ता ने दी जानकारी

रश्दी की एक आंख की रोशनी गई एक हाथ भी नहीं कर रहा ठीक से काम

न्यूयार्क। 12 अगस्त को एक कार्यक्रम में जानलेवा हमले के बाद भारतीय मूल के अंग्रेजी लेखक सलमान रुश्दी की एक आंख की रोशनी चली गई है। एक हाथ भी अपाहिज हो गया है। अब वह एक हाथ से ही काम कर पाएंगे। उनके एजेंट ने इस बात का खुलासा किया है। रुश्दी के साहित्यिक एजेंट एंड्रयू वाइल ने बताया कि 75 वर्षीय लेखक की चोटें गंभीर हैं। उनकी एक आंख की रोशनी चली गई है। उनके गर्दन में तीन जगह गंभीर जख्म थे।

प्रसंग

दीपक संस्कृति की विविधता में एकता

वर्तमान में भले ही दीपकों का स्थान मोमबत्ती और विद्युत बल्बों ने ले लिया हो, लेकिन प्रकृति से आत्मा का तादात्म्य स्थापित करने वाली भावना के प्रतीक के रूप में जो दीपक जलाए जाते हैं, वे आज भी मिट्टी, पीतल अथवा तांबे के हैं। घी से जज्वलमान यही दीपक हमारे अंतर्मन की कलुषता को धोता है। पूजन के समय देवी-देवताओं के सम्मुख दीप उनके तत्व के आधार पर जलाए जाते हैं।

ऊं सच्चिदानन्दरूपाय नमोस्तु परमात्मने।
ज्योतिर्मयस्वरूपाय विष्वमांगल्यमूर्तये।।

मनुष्य ने प्रकाशमान स्वरूप वाले विश्व कल्याण मूर्तिमान के रूप में सच्चिदानन्द अर्थात सत्, चित्त व आनंदमयी परमात्मा की कल्पना की है। इस परिप्रेक्ष्य में ऋग्वेद की ऋचाओं में विष्वव्यापी ब्रह्मांड को एक महामानव अर्थात विराट पुरुष माना गया है। इस विराट पुरुष का नृत्य सूर्य है, मन चंद्रमा और उसके कान एवं प्राण वायु है। इसका मुख अग्नि, नाभि अंतरिक्ष, मस्तक द्युलोक और इसके पैर पृथ्वी हैं। इसी अलोकित ब्रह्मांडीय पुरुष से मानव समुदायों का निर्माण माना गया है। अब आधुनिक वैज्ञानिक भी मानने लगे हैं कि ब्रह्मांड के स्वरूप में जो भी कुछ है, उसी का लघु रूप शरीर और मस्तक में है। इसीलिए मनुष्य ने अनवरत प्रकाषित रहने वाली ऐसी मूर्ति की कल्पना की है, जो मानव कल्याण के लिए प्रकाशमान बनी रहे।

हजारों साल से भारत में प्रकाश पर्व के रूप में दीपावली मनाई जा रही है। इस लंबे कालखंड में भारत पर अनेक आक्रमण हुए। तलवार के बूते धर्म व संस्कृति बदलने के उपक्रम किए गए, लेकिन दीपावली के पर्व को रोशन करने वाली दीप संस्कृति इन बदलावों से अछूती रहती हुई आज भी भारत के सांस्कृतिक वैभव को प्रकाशित कर रही है। जिन सांस्कृतिक धरोहरों को आक्रांताओं ने खंडित करके उनके वैभव को हर लिया था, उन धरोहरों अयोध्या के राम मंदिर, वाराणसी के काषी विष्वनाथ और उज्जैन के महाकाल का सांस्कृतिक वैभव लाखों दीपकों के प्रकाश से फिर उज्जवल हो उठा है। कालांतर में इस प्रकाश के विस्तार की किरण कृष्ण जन्मभूमि को भी आलोकित करने वाली है। अतएव इस दीप पर्व पर दीपकों की विपरीत समय में भी अक्षुण्ण बनी रही संस्कृति और उसके महत्व को जानते हैं।

दीपावली प्रकाश पर्व है। यानी अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है। आदिकाल से चली आ रही सांस्कृतिक यात्रा का यह त्यौहार सामाजिक जीवन में प्रसन्नता, समरसता और मंगल का प्रतीक है। इस कालखण्ड में मानव ने मिट्टी, पत्थर, काठ, मोम व धातुओं के स्वरूप में हजारों तरह के शिल्प में दीपक गढ़े हैं। शुरूआत में दीवाली की मुख्य भावना दीप दान से जुड़ी थी। प्रकाश के इस दान को पुण्य का सबसे बड़ा कर्म माना जाता था। दीपों के कलात्मक आकार में मनुष्य की कल्पना एवं संवेदनशील उंगलियों का इतिहास भी अंकित है। इस जगत में जीवन जीने के लिए प्रत्येक प्राणी को उजाले की जरूरत पड़ती है। बिना उजाले के वह कोई कार्य सुरुचिपूर्ण ढंग से संपन्न नहीं कर पाता है। वैसे तो सबसे अधिक महत्वपूर्ण प्रकाश सूर्य का है। इसके प्रकाश में ही अन्य सभी प्रकार के प्रकाश समाविष्ट रहते हैं। इसीलिए दीवाली को प्रकाश का पर्व कहा जाता है। कहा भी गया है,

शुभं करोति कल्याण आरोग्यं सुख संपदम।
शत्रु बुद्धि विनाशं च दीपज्योतिः नमोस्तुते।।

शुरुआती दौर में सीपियों का दीपक के रूप में उपयोग किया जाता था। इसमें रोशनी पैदा करने के लिए चर्बी डाली जाती थी और बाती के रूप में घास या कपास की ही बत्ती होती थी। इसके बाद पत्थर और काठ के दीपक अस्तित्व में आए। तत्पश्चात मिट्टी के दिए बनाए जाने लगे। कुम्हार के चाक की खोज के बाद तो मिट्टी के दीए अनूठे एवं आकर्षक शिल्पों में अवतरित होने लगे और ये घर-घर आलोक-स्तंभ के रूप में स्थापित हो गए। धातुओं की खोज और उन्हें मनुष्य के लिए उपयोगी बनाए जाने के बाद बड़े लोगों के घरों व महलों की शोभा धातु के दिए बनने लगे। जो वैभव का प्रतीक भी थे। स्वर्ण, कांसा, तांबा, पीतल और लोहे के दीयों का प्रचलन शुरू हुआ। इसमें पीतल के दीपकों को बेहद लोकप्रियता मिली। रामायण और महाभारत में भी 'रत्नदीपों' का उल्लेख देखने को मिलता है।

कालांतर में एकमुखी से बहुमुखी दीपक बनाए जाने लगे। इनकी मूठ भी कलात्मक और पकड़ने में सुविधा जनक बनाई जाने लगी। सत्रह-अठारहवीं सदी में दीपकों को अनेक प्रकार के पशु-पक्षियों व अप्सराओं के रूप में ढाला जाने लगा। इस समय 'मयूरा धूप दीपक' का चलन खूब था। इसकी आकृति नाचते हुए मोर की तरह होती है। इसके पंजों के ऊपर बत्ती रखने के लिए पांच कटोरे बने होते हैं। मोर के ऊपर बन छेदों में अगरबत्तियां लगाई जाती हैं। राजे-रजवाड़े के कालखंड में छत से लटके दीपों का प्रचलन खूब था। ये परी, पशु, पक्षी और देवी-देवताओं की आकृतियों से सजे रहते थे। सांकल से लटके हंस और कबूतरों के पंजों पर तीन से पांच दीपक बनाए जाते थे। कालांतर में दीपकों में नायाब परिवर्तन आए। इस समय गोल लटकने वाले कलात्मक दीपक ज्यादा संख्या में बने इसके अलावा आठ कोनों वाले, गुम्बदाकार व ऐसे ही अन्य प्रकार के दीपक बनाए जाने लगे। इन दीपकों में से रोशनी बाहर झांकती थी।

जब दीपक सैंकड़ों आकार-प्रकारों में सामने आ गए तो इनकी सुचारू रूप से उपयोगिता के लिए 'दीपशास्त्र' भी लिख दिया गया। जिसमें दीपक जलाने के लिए गाय के घी को सबसे ज्यादा उपयोगी बताया गया। घी के विकल्प के रूप में सरसों के तेल का विकल्प दिया गया। कपास से कई प्रकार की बत्तियां बनाने के तरीके भी दीपशास्त्र में सुझाए गए हैं। दीपावली पर देश में घी और सरसों के तेल से ही दीपक प्रज्वलित किए जाते हैं। सोलहवीं सदी में तो संगीत के एक राग के रूप में 'दीपक-राग' की भी महत्ता व उपलब्धि है। इस संदर्भ में जनश्रुति है कि संगीत सम्राट तानसेन द्वारा दीपक राग के गाए जाने पर मुगल सम्राट अकबर के दरबार में बिना जलाए दीप जल उठे थे। दीपक-राग के गाने के बाद ही तानसेन को 'संगीत सम्राट' की उपाधि से विभूषित किया गया। उज्जैन के हरसिद्धि मंदिर परिसर में दीपों के स्तंभ बने हैं, जिन पर सैंकड़ों दीप एक साथ रखकर जलाए जाते हैं।

प्राचीन भारतीय परंपरा में दीपक के दान से बड़ा महत्व जुड़ा है। महाभारत के 'दान-धर्म-पर्व' में दीपदान के फल की महत्ता दैत्य ऋषि शुक्राचार्य ने दैत्यराज बलि को इस प्रकार समझाई है-

कुलोद्योतो विशुद्धात्मा प्रकाशत्वं च गच्छति।
ज्योतिषां चैव सालोक्यं दीपदाता नरः सदा।।

अर्थात, दीपकों का दान करने वाला व्यक्ति अपने वंश को तेजस्वी एवं समृद्धशाली बनाने वाला होता है और अंत में वह आलोकमयी लोकों को गमन करता है। रामायणकाल से पूर्व दीपावली का संबंध बलि कथा के संदर्भ में ही मान्य तथा प्रचलन में था। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को 'बलि प्रतिपदा' भी कहते हैं। इस दिन बलि महाराज की अर्चना भी की जाती है। राजा बलि अपने राज्य में चतुर्दशी से तीन दिन चलते हैं और तीनों दिन दीपदान भी करते हैं।

प्राचीन भारत में दीपक का महत्व हर एक महत्वपूर्ण उद्देश्य से जुड़ता चला गया। दीपावली पर जो दीप आकाश में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर टांगा जाने लगा उसे 'आशा-दीप', स्वयंवर के समय जलाए जाने वाले दीप को 'साक्षी-दीप' पूजा वाले दीप को 'अर्चना-दीप' साधना के समय रोशन किए जाने वाले दीप को 'आरती-दीप' मंदिरों के गर्भगृह में अनवरत जलने वाले दीप को 'नंदा-दीप' की संज्ञा दी गई। मंदिरों के प्रवेश द्वार और नगरों के प्रमुख मार्गों पर बनाए जाने वाले दीपकों को 'दीप-स्तंभ' का स्वरूप दिया गया, जिन पर सैंकड़ों दीपक एक साथ प्रकाशमान करने की व्यवस्था की गई।

प्रमोद भार्गव
(वरिष्ठ पत्रकार)

अनुष्ठान मय दिखी पूरी अयोध्या

भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में दिवाली के मौके पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए 18 लाख दिए जलाए गए। इस आयोजन के लिए अयोध्या ने न सिर्फ समाज को समरसता का संदेश दिया, बल्कि पूरी राम नगरी अनुष्ठान मय भी दिखी।

भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में दिवाली के अवसर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए 18 लाख दिए जलाए गए। इस दीपोत्सव में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। उनकी मौजूदगी में समारोह हुआ, जिसमें आतिशबाजी, एक लेजर शो और रामलीला का मंचन किया गया। प्रधानमंत्री ने सरयू के तट पर राम की पैड़ी में एक भव्य संगीतमय लेजर शो के साथ एक 3-डी होलोग्राफिक प्रोजेक्शन मैपिंग शो भी देखा। यह दीपोत्सव का छठा संस्करण था। योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद इस दीपोत्सव की शुरुआत की थी और पहली बार सरयू तट पर 51 हजार दिये जलाए गए थे। 2019 में दीपोत्सव पर 4 लाख 10 हजार दिये जलाए गए। 2020 में दीयों की संख्या छह लाख हो गई और 2021 में इसे बढ़ाकर 12 लाख कर दिया गया जिसमें नौ लाख दीये राम की पैड़ी पर और 3 लाख दीये अयोध्या में अलग-अलग स्थानों पर जलाए गए जिससे विश्व रिकॉर्ड भी बना। इस बार के दीपोत्सव में सरयू तय के पास राम की पैड़ी में 22 हजार से अधिक वॉलंटियरों 15 लाख से अधिक मिट्टी के दीये जलाए। बाकी दीयों को महत्वपूर्ण स्थानों पर सजाया गया। रामनगरी के दीपोत्सव में श्रीराम की मर्यादा भी झलकती रही है। श्रीराम ने अपने जीवन में जिस तरह शबरी, जटायु, निषादराज केवट आदि को गले लगाकर समरसता का संदेश दिया था, दीपोत्सव के जरिए भी यही संदेश देने की कोशिश है। इस बार उत्साह कई गुना बढ़ गया था क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दीपोत्सव में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने श्रीराम का राजतिलक भी किया। सभी धर्मों के लोगों को उत्सव की तैयारी में शामिल करने की सफल कोशिश की गई। पीएम मोदी के आने से न सिर्फ भव्यता को नया आयाम मिला, बल्कि वैश्विक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। यह योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला दीपोत्सव था, इसलिए इसे ऐतिहासिक बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी गई।

दीपोत्सव का पर्व सामाजिक समरसता का संदेश देने के साथ ही रोजगार का बड़ा माध्यम भी है। दीपोत्सव सरकार की तरफ से चलाया गया ऐसा कार्यक्रम है जो एक त्योहार से साथ साथ रोजगार के अवसर भी प्रदान करता है और दीये बनाने वाले हजारों घरों को रोजगार देता है। बदलते समय ने दिवाली पर कुम्हारों को दुखी करना शुरू कर दिया था क्योंकि मिट्टी के दीयों को लोगों ने इस्तेमाल करना करीब करीब बंद कर दिया था और चीनी बाजार के दीयों ने दिवाली पर अपना कब्जा कर लिया था लेकिन योगी सरकार ने दीपोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत कर न सिर्फ पर्व को परंपरा से जोड़ा बल्कि हजारों कुम्हारों को काम दिया। दीपोत्सव की वजह से राज्य के कुम्हारों को बड़ा काम मिला और उनकी दिवाली हैप्पी हो गई। कुल मिलाकर अयोध्या एक बार फिर से पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है। अब बस मंदिर निर्माण पूरा होने का इंतजार है।

जमा दरों में वृद्धि के मायने

महंगाई पर काबू पाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में लगातार इजाफा कर रहा है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चार मई, 2022 के बाद से रेपो दर में कुल 190 आधार अंकों की बढ़ोतरी कर चुकी है। अब रेपो दर 5.90 फीसद के स्तर पर पहुंच गया है। हाल में की गई मौद्रिक समीक्षा में रिजर्व बैंक ने रेपो दर में फिर से 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी की है। अगर महंगाई काबू में नहीं आती, तो केंद्रीय बैंक आगामी मौद्रिक समीक्षाओं में नीतिगत दरों में और इजाफा कर सकता है। चूंकि केंद्रीय बैंक, बैंकों को दी जाने वाली उधारी पर रेपो दर के अनुसार ब्याज लेता है, इसलिए, रेपो दर में बढ़ोतरी करने से बैंकों को महंगी दर पर पूंजी मिलती है और पूंजी की लागत अधिक होने पर बैंक उधारी पर ब्याज दर में बढ़ोतरी कर देते हैं, ताकि उनके नुकसान की भरपाई हो सके।

हालांकि, उधारी दर में वृद्धि से महंगाई में कमी आने की संभावना बढ़ जाती है, क्योंकि जब बैंक महंगी दर पर कर्ज देते हैं तो आम आदमी और कारोबारी कर्ज लेने से परहेज करते हैं। पैसों की किल्लत की वजह से महंगे उत्पाद खरीदना मुमकिन नहीं होता, जिससे मांग में कमी आती है और जब किसी उत्पाद की मांग में कमी आती है तो उसकी कीमत में भी कमी आ जाती है। बैंक उधारी देने के लिए या तो रिजर्व बैंक से रेपो दर पर कर्ज लेते हैं या फिर अपनी जमा राशि का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए जब केंद्रीय बैंक से उधार लेना महंगा हो जाता है तो पूंजी इकट्ठा करने के लिए बैंक जमा दर में बढ़ोतरी करते हैं, ताकि अधिक ब्याज मिलने पर छोटे निवेशक बैंक में अपना पैसा जमा करें और उसका इस्तेमाल उधारी देने में किया जा सके।

रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में बढ़ोतरी के बाद बैंकों ने बचत, आवर्ती व मियादी जमा दर को बढ़ाना शुरू कर दिया है। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी होता है, क्योंकि जमा और उधारी दर के बीच के अंतर में एक निश्चित फासला हो। बैंक, जमा पर ग्राहकों को ब्याज देता है, जबकि उधारी पर उनसे ब्याज लेता है। इसलिए जमा और उधारी दर और जमा या फिर उधारी की अवधि के बीच बैंकों को संतुलन बनाकर रखना होता है, ताकि ब्याज दर या जमा या उधारी की अवधि में ज्यादा अंतर न हो और उसकी वजह से बैंकों के समक्ष परिचालन संबंधी जोखिम खड़ा न हो। वैश्विक महामारी और बाजार में मौजूद व्यवधानों के बीच, भारतीय निवेशकों ने वित्त वर्ष 2021 में 1.42 करोड़ नए डीमैट खाते खोले, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में तीन गुना अधिक है। 31 मार्च, 2022 तक भारत में सक्रिय डीमैट खातों की संख्या 8.97 करोड़ थी, जो वित्त वर्ष 2021 की तुलना में 63 फीसद अधिक है। नए डीमैट खाते खोलने वालों में छोटे निवेशकों की संख्या ज्यादा है, जो यह दर्शाता है कि छोटे निवेशक अब बैंक की जगह शेयर बाजार में निवेश करने लगे हैं। निवेशकों की जमा प्रवृत्ति में बदलाव का कारण बैंकों की जमा दरों में कमी आना और कुछ सहकारी और निजी बैंकों का विगत वर्षों में गंभीर आर्थिक संकट के दौर से गुजरना है। बैंक में मियादी जमा सबसे सुरक्षित विकल्प माना जाता है, लेकिन पिछले सालों में निवेशकों का भरोसा बैंक पर कम हुआ है। हालांकि ग्राहकों के मन में दोबारा बैंकों के प्रति भरोसा पैदा करने केंद्र सरकार ने 'डिपाजिट इंश्योरेंस' की सीमा को एक लाख से बढ़ा कर पांच लाख रुपए कर दिया है।

'डिपाजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कारपोरेशन एक्ट 1961' की धारा 16 (1) के तहत प्रत्येक जमा कर्ता के अधिकतम पांच लाख रुपए तक की जमा राशि पर बीमा कवर मिलता है। यह सुरक्षा केंद्रीय बैंक की सहायक 'डिपाजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कारपोरेशन' (डीआइसीजीसी) द्वारा दी जाती है। यानी अगर किसी वजह से कोई बैंक डूब जाए, दिवालिया हो जाए या बैंक का लाइसेंस रद्द हो जाए तो उस स्थिति में प्रत्येक जमाकर्ता को उस बैंक में जमा पांच लाख तक की राशि का भुगतान किया जाएगा। जमाकर्ता को, जो अधिकतम पांच लाख रुपए का बीमा कवर मिलता है, उसमें मूल धन के साथ-साथ उस पर मिलने वाला ब्याज भी शामिल होता है। अगर ग्राहक के किसी एक बैंक की अलग-अलग शाखाओं में पैसे जमा हैं तो सभी शाखाओं में जमा धनराशि को जोड़ दिया जाता है और अधिकतम पांच लाख रुपए की जमा राशि पर बीमा कवर का फायदा मिलता है।

ताजा मौद्रिक समीक्षा में केंद्रीय बैंक ने अपने पुराने रुख पर कायम रहते हुए वित्त वर्ष 2023 के लिए मुद्रास्फीति के 6.7 फीसद पर रहने का अनुमान जताया है, जबकि मुद्रास्फीति की सहनशीलता सीमा पांच से छह फीसद के बीच है। इसलिए, रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने के लिए आगामी मौद्रिक समीक्षाओं में नीतिगत दरों में और भी बढ़ोतरी कर सकता है। रेपो दर में वृद्धि के बाद महंगाई को नियंत्रित करने के लिए बैंकों ने उधारी दरों में वृद्धि की है, लेकिन उस अनुपात में जमा दरों में इजाफा नहीं किया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि बैंक जमा दरों में भी वृद्धि करेंगे। त्योहारों के मौसम में कुछ बैंक उत्सव जमा योजना लेकर आए हैं। इस योजना के तहत जमा राशि पर एक हजार दिनों के लिए 6.1 फीसद ब्याज देने का प्रस्ताव है। वरिष्ठ नागरिकों को इसमें 0.8 फीसद का अतिरिक्त ब्याज देने का प्रस्ताव है।

छोटे निवेशक शेयर बाजार की जगह बैंक में फिर से निवेश करना शुरू कर सकते हैं, क्योंकि बैंक में जमा करना शेयर बाजार में निवेश करने की अपेक्षा सुरक्षित है। जमा बीमा कवर की सीमा को एक लाख से बढ़ा कर पांच लाख रुपए करने से पंचानबे फीसद से अधिक निवेशकों के बैंक में किए गए निवेश पूरी तरह से सुरक्षित हो गए हैं।

माना जा रहा है कि बैंक जमा दर में वृद्धि का दौर अभी जारी रहेगा। ऐसे में छोटे निवेशक शेयर बाजार की जगह बैंक में फिर से निवेश करना शुरू कर सकते हैं, क्योंकि बैंक में जमा करना, शेयर बाजार में निवेश करने की अपेक्षा सुरक्षित है। जमा बीमा कवर की सीमा को एक लाख से बढ़ा कर पांच लाख करने से 95 फीसद से अधिक निवेशकों के बैंक में किए गए निवेश पूरी तरह से सुरक्षित हो गए हैं। बैंकों के लिए मौद्रिक सख्ती चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर रही है। नियामकीय जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंकों को ब्याज दर में बढ़ोतरी करने से बचने की कोशिश करनी पड़ रही है, क्योंकि जब ब्याज दरें बढ़ती हैं तो बांड प्रतिफल बढ़ता है और कीमत में गिरावट आती है। चूंकि, नियामकीय जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंकों को एक बड़ी राशि बांडों में निवेश करना होता है, इसलिए, बांड की कीमतों में गिरावट आने से बैंकों को होने वाला नुकसान बढ़ सकता है।

चार मई के बाद से रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कुल 190 आधार अंकों की बढ़ोतरी की है। दस साल के बेंचमार्क सरकारी बांड का प्रतिफल 61 आधार अंक बढ़ गया, जिससे बैंकों को 11,800 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जिसमें से 8,600 करोड़ रुपए का नुकसान सिर्फ सरकारी बैंकों को हुआ है। कुछ वर्षों में छोटे निवेशकों ने बैंक की जगह शेयर बाजार में निवेश करना जरूर शुरू कर दिया था, लेकिन अब बैंक फिर से निवेश के लिए सुरक्षित और ज्यादा प्रतिफल देने वाले विकल्प बन रहे हैं। शेयर बाजार जोखिम मुक्त नहीं माना जा सकता। अधिकांश छोटे निवेशकों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती है। अगर उनके पैसे डूबेंगे तो मुश्किलें बढ़ेंगी, जिसका समाधान निकालना सरकार और नियामक के लिए आसान नहीं होगा।

सतीश सिंह
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

अयोध्या की पहचान अब विवाद नहीं बल्कि सौहार्द व विकास हो गई है। दीपोत्सव जैसे आयोजन ने पूरी दुनिया में रामनगरी की महिमा को नया आयाम दिया है।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

ये वही अयोध्या है, जहां नेता आने से परहेज करते थे, आज पीएम, राष्ट्रपति सब आ रहे हैं। अब स्थिति बदल रही है, रोजगार के अवसर बन रहे हैं, तरक्की हो रही है।

इकबाल अंसारी, पक्षकार बाबरी मस्जिद

सत्यार्थ

रामायण की सीख

रामायण में श्रीराम, लक्ष्मण और सीता के लिए वनवास तय गया था। ये तीनों अयोध्या से वनवास के लिए निकल चुके थे। कुछ ही समय बाद राम के वियोग में राजा दशरथ की मृत्यु हो गई थी। जब ये पूरा घटनाक्रम हुआ था, उस समय भरत और शत्रुघ्न अपनी नानी के यहां गए थे। जब भरत और शत्रुघ्न अयोध्या लौटकर आए तो उन्हें पूरी बात मालूम हुई। श्रीराम, लक्ष्मण और सीता के वनवास जाने से भरत बहुत दुखी थी। भरत ने घर-परिवार और राज्य के सभी मंत्रियों से कहा कि मुझे ये राजपाठ नहीं चाहिए। हम राम को वापस अयोध्या ले आएंगे। भरत की बात मानकर कौशल्या, सुमित्रा और कैकयी के साथ अयोध्या के सभी लोग श्रीराम को वापस बुलाने के लिए वन की ओर निकल पड़े। उन दिनों श्रीराम चित्रकूट में ठहरे हुए थे। भरत और अयोध्या के सभी लोग चित्रकूट पहुंच गए। भरत ने श्रीराम से कहा कि ये राज-पाठ मुझे नहीं चाहिए। आप वापस अयोध्या लौट चलें। श्रीराम ने भरत को समझाते हुए कहा कि मैं अपने पिता राजा दशरथ के वचन का पालन करूंगा। यही मेरा कर्तव्य है कि मैं पिता के वचन को पूरा करूं। भरत बार-बार श्रीराम को अयोध्या ले जाने के लिए जिद कर रहे थे। अंत में श्रीराम ने भरत को अपनी पादुकाएं दे दीं। भरत श्रीराम की पादुकाएं लेकर अयोध्या की ओर चल दिए, लेकिन उन्होंने अयोध्या नगरी में प्रवेश नहीं किया। बल्कि अयोध्या के बाहर नंदी ग्राम में एक कुटिया बनाकर रहने लगे। नंदी ग्राम से ही भरत में अयोध्या का पूरा कामकाज बड़ी ही कुशलता से चलाया। भरत पूरे 14 वर्षों तक नंदी ग्राम में ही रहे। इस पूरे समय में अयोध्या में कोई विवाद नहीं हुआ। पड़ोसी राजाओं ने राज्य पर आक्रमण नहीं किया। ये सब भरत की कुशलता की वजह से संभव हुआ। भरत नंदी ग्राम में रहकर ही अयोध्या पर रखते थे। हर एक बात के लिए वे हमेशा सतर्क रहते। भरत ने किसी को भी इस बात अहसास नहीं होने दिया कि अयोध्या में कोई राजा नहीं है।

मुकेश कुमार

कर्नलगंज में दिनदहाड़े सरकारी ट्रक से बेंचा गया गरीबों का सैकड़ों बोरा सरकारी खाद्यान्न

जिम्मेदार आला अधिकारियों व पूर्ति विभाग के अवैध संरक्षण में खुलेआम सरकारी खाद्यान्न के कालाबाजारी का धंधा जोरों से जारी

शिव आशीष गोस्वामी

कर्नलगंज(गोण्डा)स्थानीय तहसील क्षेत्र में जिम्मेदार अधिकारियों व पूर्ति विभाग के अवैध संरक्षण व मिलीभगत के चलते गरीबों का निवाला और उनका हक छीनने का काम जोरों से लगातार जारी है। यूं कहें कि गरीबों के हक पर खुलेआम डाका डालने वाले बहुत ही निर्भीक तथा बेखौफ हैं तो कुछ अतिश्योक्ति नहीं होगा। आपको बता दें कि इसका जीता जागता उदाहरण शनिवार को कर्नलगंज क्षेत्र में दोपहर बाद तब देखने को मिला जब कर्नलगंज तहसील तथा कोतवाली गेट के पास गोण्डा-लखनऊ हाइवे पर दिन दहाड़े एक सरकारी ट्रक में लदे सैकड़ों बोरें खाद्यान्न उतारकर खुलेआम एक गल्ला व्यापारी के दुकान पर बिक्री किया गया और मामला प्रकाश में तब आया जब उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा जिसमें गाड़ी नंबर वढ 43 ळ 1718 ट्रक से सरकारी खाद्यान्न उतारा जा रहा है। वहीं क्षेत्र के कुछ स्वतंत्र निर्भीक पत्रकारों ने उच्चाधिकारियों को ट्वीट व अन्य माध्यमों से अवगत कराया और सोशल मीडिया, न्यूज पर भी यह वायरल वीडियो प्रमुखता के साथ दिखाया गया। जिसका अधिकारियों ने संज्ञान लेकर मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन करनी शुरू कर दी और तब दुकानदार द्वारा बताया गया कि उसने खाद्यान्न खरीदा है।इसी क्रम में उपजिलाधिकारी कर्नलगंज हीरालाल ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल

के दौरान सरकारी ट्रक से उतारे गए खाद्यान्न के बेंचे जाने की जानकारी ली और तहसील कर्नलगंज के निकट जनता ट्रेडिंग कंपनी (खाद्यान्न आढ़ती) के यहाँ छापेमारी करके 202 बोरी चावल सरकारी खाद्यान्न बरामद किया है। जिस पर उन्होंने पूर्ति निरीक्षक को बुलाकर मामले में कार्रवाई करने का आदेश जारी किया। इस मामले में उप जिलाधिकारी हीरालाल ने बताया कि एक ट्रक से सरकारी खाद्यान्न उतारने की सूचना मिली थी जिससे मौके पर पहुंचकर जांच की गई लेकिन वाहन तब तक जा चुका था,ट्रक के लोकेशन को देखते हुए पता किया गया तो एक जनता ट्रेडिंग कंपनी है जो आढ़तियां हैं उनके यहाँ 202 बोरी चावल उतारा गया था। जो सरकारी वाहन में लगी गाड़ी से खाद्यान्न उतार कर बेचा गया है और खरीदने वाले दुकानदार ने भी इसे स्वीकार किया है। मामले में आगे की जांच कार्यवाही चल रही है जो विधिक कार्यवाही होगी कराई जायेगी। वहीं जब उक्त खाद्यान्न बिक्री मामले में पूर्ति निरीक्षक बालेश्वर मणि त्रिपाठी से बात की गई तो उन्होंने गोल मोल जवाब दिया। मालूम हो सरकारी खाद्यान्न के कालाबाजारी की यह पहली घटना नहीं है इसके पहले भी कई बार ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में अब गंभीर सवाल यह उठता है कि कहीं इस खाद्यान्न कालाबाजारी के हो रहे पूरे खेल में जिम्मेदारों का पर्दे के पीछे से हाथ तो नहीं। फिलहाल ये उच्च स्तरीय जांच का विषय है। अब देखना यह यह है आला अधिकारियों द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है और इस खुले आम चल रहे गोरख धंधे पर अंकुश लगता है या नहीं?

जनकवि अदम गोंडवी की जयन्ती में गोंडा के महापुरुषों को किया गया नमन

अमर ख्याल संवाददाता, कर्नलगंज(गोण्डा) तुम्हारी फाईलों में गाँव का मौसम गुलाबी है मगर ये आंकड़े झूंठे हैं और दावा किताबी है । मेरी सिद्दत ने केवल केवल सर झुकाया दो जगह या कोई मजलूम हो या साहिबे किरदार हो ।। इस पंक्ति को आजीवन आत्मसात करने वाले,गरीबों,मजलूमों,वंचितों की आवाज रहे जनकवि स्व० रामनाथ सिंह अदम गोंडवी की जयन्ती शनिवार को अनुभूति सामाजिक, सांस्कृतिक व साहित्यिक ट्रस्ट के तत्वाधान में कर्नलगंज में मनाई गई। नगर पालिका परिषद सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित राम अचल आचार्य तथा संचालन याकूब सिद्दीकी ₹अज्मर₹ ने किया। अदम गोंडवी को श्रद्धांजलि देने सेवानिवृत आईएएस बी०के० सिंह तथा गोंडा के पूर्व डीएम राम बहादुर लखनऊ से आए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पूर्व डीएम गोंडा राम बहादुर ने जिले की खासियत का बखान किया। उन्होंने जनकवि अदम सोच की तारीफ करते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने की अपील की तथा गोण्डा में पैदा हुए रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास, पूरी दुनिया को योग की शिक्षा देने वाले महर्षि पतंजलि, कृषि वैज्ञानिक घाघ, आजादी आंदोलन के अग्रदूत महाराजा देवी बक्श सिंह तथा गोंडा में शिक्षा लेकर देश के उत्थान में शामिल पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन जैसे महापुरुषों के जीवन चरित्र को स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र श्रीवास्तव ने अदम जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी एक-एक पंक्ति में बहुत बड़ा संदेश छुपा है उनका एक एक शब्द अपने आप में आंदोलन है। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार अनिल त्रिपाठी, कार्यक्रम संयोजक अवधेश सिंह, डा ए०के सिंह, कौतुक गुप्ता प्रमोद त्रिपाठी,त्रिलोकी नाथ तिवारी,अवधेश गोस्वामी,संतराम सिंह,गजराज सिंह,अमित सिंह,आशीष सिंह,पुष्पा वेदांती, पुनीता बाजपेयी,इफ्तिखार अहमद,विजय गोस्वामी, प्राग सिंह, सचिन सिंह, वीरेंद्र विक्रम तिवारी ₹बेतुकर₹, के०के० सिंह दीप, जयदीप सिंह सरस सहित अन्य तमाम लोगों ने अदम जी को नमन करते हुए उन्हें याद किया। इस कार्यक्रम में कई शायरों व कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से अदम जी तथा अशफाक उल्ला खां को श्रद्धांजलि अर्पित की।

चौरी हादसे के पीड़ित परिजनों से मिला समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से पीड़ित परिवार जनों को मदद दिलाने का दिया भरोसा

अमर ख्याल ब्यूरो

कर्नलगंज, गोण्डा। बीते दिनों थाना कर्नलगंज क्षेत्र के चौरी चौराहा के पास हृदय विदारक सड़क दुर्घटना में असमय काल के गाल मे समाये तीन स्कूली बच्चों के परिजनों से मिलने रविवार को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल सूबेदार पुरवा चौरी पहुंचा। जहाँ सपा नेताओं ने पीड़ित परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की तथा दुःख की इस घड़ी में सरकार से दस लाख रुपये मुआवजे की मांग की। रविवार को समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल में पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह, पूर्व विधायक बैजनाथ दूबे, सपा नेता सूरज सिंह, पूर्व विधायक नंदिता शुक्ला, पूर्व ब्लॉक प्रमुख मसूद आलम खां ने सूबेदार पुरवा गांव जाकर शोक व्यक्त किया। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से पीड़ित परिवार जनों को मदद दिलाने का भरोसा दिलाया।

प्रधानमंत्री सड़क मौत को दे रही दावत, जिम्मेदार मौन

बीच सड़क पर पांच फिट का गड्ढा, राहगीरों के लिए बना खतरा

मनोज त्रिपाठी

लालापुर (प्रयागराज) सड़क पर गड्ढे तो बहुत है लेकिन इस तरह का गड्ढा कही किसी सड़क पर दिखाई नही पड़ता।आधी सड़क नीचे से बैठ गई, जिसमें पांच फीट का गड्ढा हो गया है। सड़क पर वाहन सहित लोगों का आना जाना बराबर लगा रहता है।किसी न किसी दिन इस गड्ढे पर हादसा से इंकार नही किया जा सकता है जिसकी भरपाई करना मुश्किल होगा।

ये बनावटी कहानी नही..हकीकत है। प्रधानमंत्री सड़क घूरपुर से प्रतापपुर के 16 वे किलोमीटर पर नजदीक सरसी पुलिया के समीप आधी सड़क ऊपर से टूट कर गड्ढा कुआं का रूप लेता जा रहा है, सिर्फ थोड़ी सी जगह सड़क पर निकलने के लिये बची है।उसी जगह से स्कूली वैन ,एम्बुलेंस, साशन, प्रसाशन की गाड़ियों का निरन्तर गुजरना रहता है।कही ऐसा न हो कि गड्ढे में गाड़ी समा जाय क्योंकि सड़क पर न ही संकेतिक बोर्ड लगा न ही ब्रेकेटिंग की गई है, इसलिए रात बिरात खतरा बरकरार दिखाई पड़ रहा है।सरकार ने 15 नवम्बर तक सभी सड़को को गड्ढा मुक्त करने का सख्ती से आदेश जारी किया है।लेकिन सम्बंधित अधिकारियो की उदासीनता की वजह से महीनों से कुआं बनी सड़क बरकरार है। इस सड़क पर शायद प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेश गड्ढा मुक्त करने का मायने नही रखता है।

इस बाबत जेई सुनील कुमार का कहना है सड़क ओवर लोड की वजह से टूटी है शाशन को प्रस्ताव भेज दिया गया है। अब सवाल ये उठता है कि जहां पर सड़क टूटी है उस जगह से ओवर लोड वाहन कत्तई नही निकलते हैं सिर्फ मनगढ़ंत कहानी बनाकर रिपेयरिंग न करने का बहाना है।वही क्षेत्र के लोगों का कहना है सड़क मानक के अनुरूप नही बनाई गई जिसके वजह से सड़क बनते ही टूटती चली जा रही है।

नाबालिग लड़की भगा ले जाने व उसके साथ दुष्कर्म करने का अभियुक्त गिरफ्तार

अमर ख्याल संवाददाता, उमरीबेगमगंज(गोण्डा) पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की शीघ्र ही गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए,वही दूसरी तरफ थाना उमरीबेगमगंज पुलिस ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के वांछित अभियुक्त-श्रीचन्द्र को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त ने थाना उमरीबेगमगंज क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था तथा उसके साथ दुष्कर्म किया था। जिसके सम्बन्ध में लड़की की माँ द्वारा थाना उमरीबेगमगंज में अभियोग पंजीकृत कराया गया था। अभियुक्त के विरूद्ध थाना उमरीबेगमगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गयी।गिरफ्तार कर्ता टीम उ0नि0 संजय अग्निहोत्री मय टीम सहित मौजूद रहे।

युवक ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के बच्चों के लिए बांध पर ही शुरू की निःशुल्क पाठशाला

अमर ख्याल संवाददाता, कर्नलगंज (गोण्डा) बांध पर रह रहे बाढ़ प्रभावित परिवारों के बच्चों के लिए एक युवक ने बांध पर ही निःशुल्क पाठशाला शुरू की है। स्थानीय तहसील क्षेत्र के विकास खण्ड कर्नलगंज अन्तर्गत ग्राम नकहरा में बाढ़ का पानी भरा था। जिससें बच्चों की पढ़ाई प्रभावित थी, उसी गांव का निवासी 20 वर्षीय सूरज कुमार आर्मी की तैयारी कर रहा है। बच्चों के भविष्य को देखते हुए सूरज कुमार ने बांध पर ही निःशुल्क पाठशाला का संचालन शुरू कर दिया। सूरज ने बताया कि उसने स्नातक की पढ़ाई करने के बाद सेना में जाने की तैयारी शुरू की। उसी बीच पूरे गांव में बाढ़ का पानी भर गया। जिससे उसे बांध पर छप्पर आदि रखकर उसी में निवास करना पड़ा। बच्चों के पढ़ाई की समस्या देखकर उसने सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक बच्चों के बीच रहकर बांध पर ही उन्हें पढ़ाना शुरू कर दिया। जिसमें कक्षा 1 से कक्षा 5 तक बच्चे शामिल हैं। सूरज कुमार कि इस पहल से पूरे गांव के लोग खुश हैं। हर कोई उसकी प्रशंसा कर रहा है। एसडीएम हीरालाल ने कहा कि वास्तव में ऐसे लोग ही सच्चे समाज सेवक होते हैं जो कठिन परिस्थितियों में भी लोगों के काम आते हैं। उन्होंने सूरज कुमार की प्रशंसा करते हुए उत्साहवर्धन किया।

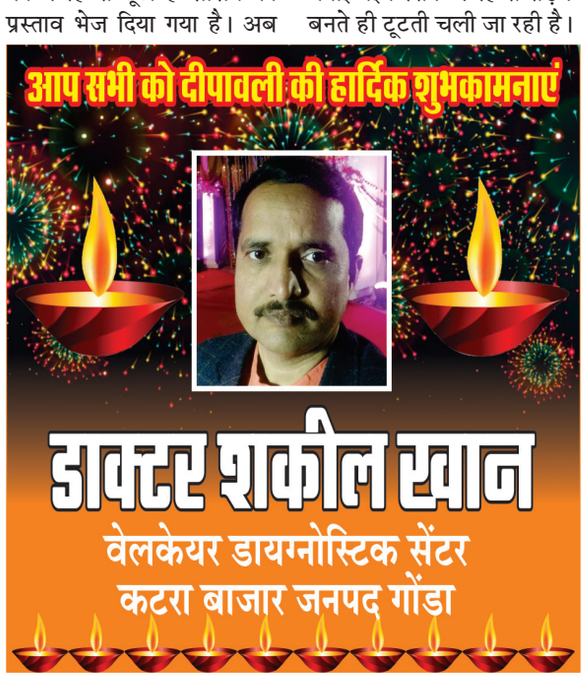

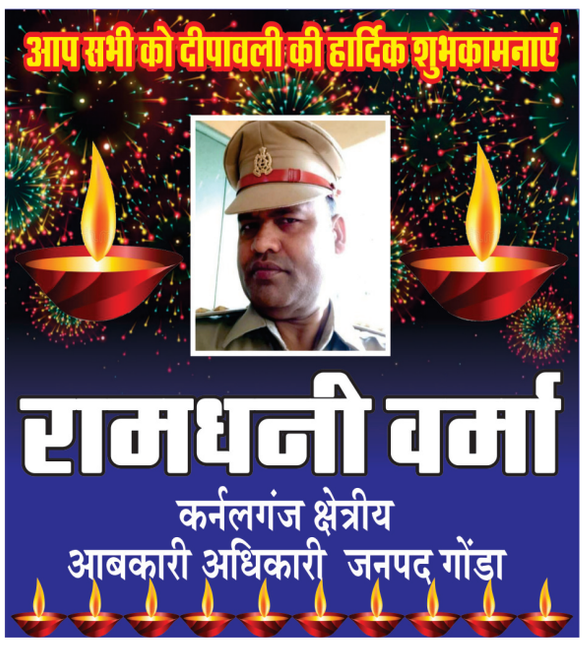

धनतेरस पर चमका सोना, खूब हुई खरीददारी

मेरठ

धनतेरस के दिन बाजारों में खरीदारी को जमकर भीड़ उमड़ी। धनतेरस पर करीब दो सौ करोड़ का कारोबार होने की संभावना है। शनिवार और रविवार को दोनों दिन धनतेरस होने के कारण बाजार गुलज़ार रहे। धनतेरस के पहले दिन बाजार में खूब खरीदारी हुई। सराफा बाजार भी चमक उठा। इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम के साथ कार, बाइक और स्कूटी की खरीदारी भी हुई। सुबह से रात तक बाजारों में रौनक रही। शनिवार को 125 करोड़ का कारोबार हुआ। सदर, आबूलेन, बोम्बे बाजार, सेंट्रल मार्केट में भीड़ उमड़ पड़ी। आभूषण, चांदी के सिक्कों के साथ लक्ष्मी गणेश जी भी चांदी के खरीदे गए। रात 9-30 बजे तक

कोरोना की मार के बाद इस बार इलेक्ट्रॉनिक्स, चौपहिया, दुपहिया वाहन समेत सभी कारोबार हुए गुलज़ार

बाजार में खरीदारी हुई। दोनों दिन में दो सौ करोड़ से अधिक का कारोबार होने ल अनुमान है। शनिवार को धनतेरस के दिन 150 गाड़ियों के साथ 300 टू व्हीलर की डिलीवरी भी दी गई। एचडी क्रिस्टल क्लीयर स्मार्ट पैनल के साथ एलईडी टीवी की डिमांड रही। वाशिंग मशीन, फ्रिज, एसी, मिक्सर, जूसर की खरीदारी की गई। इस बार ऑनलाइन खरीदारी बहुत कम रही।

दिन-रात बसों का संचालन, फिर भी मच रही मारामारी

विभाग ने यात्रियों की सुविधा के लिए बनाई हेल्प डेस्क

मेरठ

दीपावली से भैयादूज तक पंच दिवसीय त्योहारों के लिए विभाग ने बस अड्डो पर यात्रियों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क बनाई गई है। बस न मिलने पर यात्री शिकायत कर सकते हैं। त्योहारों में दिन रात बसों का संचालन किया जाएगा। हर मार्ग पर बसों के फेरे में भी इजाफा किया है। आरएम केके शर्मा ने बताया कि त्योहारों में दिन रात 24 घंटे बसों का संचालन किया जाएगा। मेरठ से दिल्ली, कौशांबी, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, हरिद्वार, ऋषिकेश, अलीगढ़, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर, बरेली समेत सभी रूटों पर बसों के कम से कम चार फेरे बढ़ाए गए हैं। यात्रियों की संख्या के अनुरूप बसें बढ़ाई जाएंगी। रोडवेज कर्मचारियों की छुट्टियां भी 22 से 31 अक्तूबर तक रद कर दी गई हैं। इसके साथ ही उनके लिए प्रोत्साहन योजना भी चलाई गई है। इसमें कर्मचारी एकमुश्त धनराशि भी प्राप्त कर सकते हैं। अतिरिक्त बस चलाने पर भी चालक परिचालकों को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

छोटी दीपावली व धनतेरस पर लोगों ने जमकर की खरीददारी

खरीदारों की भारी भीड़ के चलते गुलजार रहे बाजार

सिकंदराबाद

इस वर्ष धनतेरस दो दिन मनाई जा रही है। धनतेरस के प्रथम दिन व छोटी दीपावली को बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। लोगों ने बर्तनों से लेकर मिट्टी की मूर्तियां व घरों को सजाने का सामान जमकर खरीदा। धनतेरस पर सोना, चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि का खरीदना शुभ माना जाता है। इसके चलते धनतेरस पर बाजारों में जमकर भीड़ उमड़ती है और खरीदारों का भारी जमावड़ा रहता है ।इस वर्ष धनतेरस दो दिन होने के चलते दोनों दिन खरीदारो की भारी भीड़ रही। जिसमें बर्तन ,इलेक्ट्रॉनिक सामान ,झाड़ू, सोने, चांदी के सिक्के व घरों को सजाने का सामान मिट्टी के दिए ,मूर्तियां, मोमबत्ती, खील, बताशे चीनी के खिलौने मिठाइयों व उपहारों की खरीदारी जमकर की गई। धनतेरस दिवाली के चलते बाजारों को भी व्यापारियों द्वारा कई रंगों की लाइट लगवा कर सजाया गया। दीपावली त्यौहार को लेकर खरीदारों में व्यापारियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

आयुर्वेद दिवस पर आईआईएमटी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित

मेरठ

आईआईएमटी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय में भगवान धन्तन्तरी के जन्म दिवस को आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाया गया। डॉ इशेन्द्र पाराशर ने धन्वन्तरि पूजा एवं हवन किया। डॉ. एसके तंवर ने 'हर दिन हर घर आयुर्वेद' श्रृंखला के अन्तर्गत आयोजित किये जाने वाले गये चिकित्सा शिविर, आयुर्वेदिक गोष्ठी, आयुर्वेद जागरूकता शिविर रैली, भाषण प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता आदि कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। मुख्य अतिथि गौरव शुक्ला ने बताया कि मन्त्रो द्वारा विभिन्न कष्ट साध्य रोगों की चिकित्सा सम्भव है। डॉ जीके जैन ने बदलती जीवन शैली में आयुर्वेद का महत्व विषय पर प्रकाश डाला गया। डॉ.सन्दीप कुमार का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शान कुमार व डॉ.कुलसूम ने किया। डॉ. रितु, डॉ. अनुपमा, डॉ. नेहा डॉ. अंजलि, डॉ. एकता, डॉ. अतुल, डॉ. परीक्षित, डॉ. प्रदीप, डॉ. शाजिया, डॉ. सुमन, डॉ. मोनिका, डॉ. कंचन, डॉ हिमानी व अमित बंसल मौजूद रहे।

खेतों से ट्रांसफार्मर व मोटर चोरी के आरोप में छह बदमाश गिरफ्तार

बुलंदशहर। खेतों में ट्यूबवेल पर लगी विद्युत मोटर व ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह के 6 बदमाशोकोपुलिस नेगिरफ्तार कर उनकेकब्जेसेस्प्लिट कार सेचोरी किया सामान, दोगाड़ी, चोरी करनेकेउपकरण व तमंचा कारतूस बरामद किये हैं। रिजर्व पुलिस लाईन मेआयोजित प्रेस वार्तामेएसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने कोचलाये जा रहे अभियान के तहत बीतीरात्रि थाना सिकन्द्राबाद पुलिस नेमुखबिर की सूचना पर गांव गेंदपुर शेखपुर के सामने से ट्यूबवेल पर लगी बिजली की मोटर व ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह के कोतवाली देहात क्षेत्र केग्राम नीमखेडा निवासी प्रमोद सिंह पुत्र धीरज सिंह, हिमांशु पुत्र राजकुमार ,विनोद पुत्र जसवन्त सिंह, मनोज कुमार पुत्र प्रेमचन्द , भारत पुत्र धीरज सिंह तथा अमित पुत्र संजय कोगिरफ्तार कर उनकेकब्जेसेएक ईकोव एक स्प्लिट कार ,4 तमंचे,कारतूस,चाकूतथा चोरी करने के उपकरण 1 गलैण्डर (कटर इलैक्टर्निक), 1 प्लास, 1 छैनी, 1 पेंचकस, 5 छोटी-बडी चॉबी, 6 पात्रे, 2 हथोडे, 2 गेन्दाले, 1 लोहे की रॉड, 3 अलग कट्टो मे अन्य उपकरण तथा ईको कार से बरामद चोरी किया गया सामान- बिजली के ट्रांसफार्मर का कवर, एक प्लास्टिक के कटटे में करीब 20 किलोतांबे का तार ,5 रोलर बिजली के मोटर के, एक बिजली मोटर का पिछला ढक्कन, एक बिजली के मोटर का डेगचून का टुटा हुआ स्क्रैब, एक पानी का पंखा, एक नाल का सकिट तथा स्विफ्ट कार से बरामद चार शाफ्ट बिजली के मोटर की, एक प्लास्टिक के कट्टे मेंकरीब 20 किलोतांबे का तार आदि बरामद कियेहै।

डेंगू बुखार से सेवानिवृत्त शिक्षक की मौत पर अस्पताल में हंगामा, जाम लगाने का प्रयास

बागपत

जनपद में डेंगू बुखार कहर बरपा रहा है। डेंगू से पीडित सेवानिवृत्त शिक्षक की गत देर रात को नर्सिंग होम में मौत हो गई। पीड़ित परिजनों ने चिकित्सकों पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर हाईवे पर जाम लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर शांत किया। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मामले की जांच में लगे हैं। क्षेत्र के गांव शिकोहपुर निवासी 65 वर्षीय सुनील दत्त शास्त्री पिछले कई दिनों से डेंगू बुखार से पीडित थे। परिजनों ने उन्हें शनिवार को नगर के एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया था। जहां उपचार के दौरान उनकी देर रात मौत हो गई। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि चिकित्सकों की इलाज में लापरवाही बरतने से यह घटना हुई है। आरोप है कि चिकित्सक ने शिक्षक सुनील दत्त शास्त्री के चेकअप करने के बजाए उन्हें रेफर किया। इसी से उनकी जान चली गई। घटना के विरोध में लोगों ने अस्पताल में हंगामा किया और मेरठ-बागपत हाईवे पर जाम लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर शांत किया। शिक्षक सुनील दत्त शर्मा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उधर, कोतवाली प्रभारी संजय कुमार का कहना है कि डेंगू से ग्रस्त सुनील दत्त शर्मा की नर्सिंग होम में मौत हुई है। पीड़ित परिजनो ने चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की सही स्थिति स्पष्ट होगी। मामले की जांच के लिए सीएमओ को पत्र भेजा गया है।

सड़क हादसे में सिपाही की मौत, एन एच-91 पर हुआ हादसा

सिकंदराबाद

एनएच 91 पर शनिवार की रात लगभग आठ बजे सड़क हादसे में सिपाही की मौत हो गई । सूचना पर सीओ कोतवाल व साथी पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार गाँव धनोरा जनपद बागपत निवासी संजीव राणा पुत्र रामवीर सिंह 2005 बैच का सिपाही था। पूर्व में वह कोतवाली सिकंदराबाद क्षेत्र की कायस्थवाडा पुलिस चौकी पर तैनात था। बताया गया कि 12 अक्टूबर को ही उसका स्थानांतरण थाना जहांगीरपुर के लिए हुआ था। संजीव सिकंदराबाद की एसडीएम कॉलोनी में मकान किराये पर लेकर रहता है। त्योहार के चलते बच्चे गांव गए हुए थे ।शनिवार की रात्रि वह बाइक से सिकंदराबाद आ रहा था।

पार्किंग में ही खड़े होंगे श्रद्धालुओं के वाहन : एसएसपी

मथुरा

वृन्दावन में लगे हुए 138 सीसीटीवी कैमरा तथा 70 पीए सिस्टम लगे हुए हैं। इनके संबंध में नगर निगम एवं विकास प्राधिकरण के जिलाधिकारी पुलकित खरे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव व नगर आयुक्त अनुनय झा ने अधिकारियों से जानकारी ली। निर्देश दिये कि सभी सीसीटीवी एवं पीए सिस्टम संचालित रहें और पुलिस द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग की जाये। एसएसपी ने थानाध्यक्ष वृन्दावन से आतिशबाजी, पटाखों आदि की अनुमति के संबंध में जानकारी ली और कहा कि अनुमति देने से पहले उक्त सभी शर्त पूर्ण होने के उपरांत ही अनुमति दें तथा सभी मानकों को अपने समक्ष पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इससे पहले डीएम, एसएसपी ने थाना वृन्दावन का निरीक्षण किया और सीसीटीवी तथा पकड़े गये वाहनों की जानकारी प्राप्त की। थाना दिवस के रजिस्टरों का अवलोकन किया और थाना दिवस में जिन अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई उनको आवश्यक दिशा निर्देश दिये। थाना दिवस के पश्चात जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, सचिव एमवीडीए सहित संबंधित अधिकारियों के साथ श्री बांके बिहारी जी के क्षेत्र में बनी विभिन्न पार्किंगों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिये कि पार्किंग स्थलों के पास किसी भी श्रद्धालु को कोई परेशानी न हो।

मथुरा में सरकारी समर्थन मूल्य पर शुरू हुई बाजरा की खरीद

मथुरा। जनपद में पहली बार एमएसपी पर सरकार किसानों से धान की खरीद कर रही है। विधायक श्रीकांत शर्मा द्वारा बाजरा क्रय केन्द्र मथुरा मंडी का उद्घाटन किया गया। श्रीकांत शर्मा द्वारा कृषक हित में निर्देशित किया गया कि बाजरा एवं धान केन्द्र पर समस्त व्यवस्था पूर्ण रखना सुनिश्चित करें, कृषक बंधुओं को बाजरा एवं साथ ही धान क्रय केन्द्र पर किसी भी प्रकार की समस्या न आने पाये। इस मौके पर धान क्रय का भी निरीक्षण किया गया एवं कृषक बंधुओं से वार्ता की गयी। योगी सरकार में 2017 की तुलना में बाजरा की कीमत 1425 रुपये से बढ़कर अब 2350 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है।

जगमगाया मथुरा शहर, बाजार हुआ गुलजार

मथुरा

मथुरा जनपद की कोसीकला के अनाज मंडी में सजा पटाखों का बाजार दीपों के त्योहार दिवाली की पूर्व संध्या पर कोसीकला जगमगा उठी। शाम ढलते ही रंग बिरंगी रोशनी से शहर चमक उठा। वहीं पूरा दिन बाजारों में जमकर रौनक रही। बड़ी संख्या में लोग बाजार पहुंचे और खरीदारी की। वहीं बच्चे और युवा आतिशबाजी को लेकर उत्साहित नजर आए।

कपड़ों की दुकानों, मिठाई, गिफ्ट, पूजन सामग्री और सजावटी सामान की दुकानों पर खूब भीड़ रही। धनतेरस के बाद रविवार को भी सर्राफा बाजार में लोग सोने और चांदी की खरीदारी करते देखे गए। मैन बाजार में जहां लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलीलक्ष्मी की स्थापना के लिए लक्ष्मी मूर्तियों की भी धनतेरस को खरीदारी की जाती है। सर्राफा के अलावा बर्तन बाजार में भी बड़े पैमाने पर लोगों ने खरीदारी की। तांबा, पीतल व स्टील की वस्तुएं भी बड़े पैमाने पर खरीदी गई। मोबाइल हैंडसेट खरीदने की ओर लोगों का अधिक झुकाव रहा। वर्तमान में मोबाइल फोन की अहमियत के चलते अनेक लोगों ने मोबाइल हैंडसेट खरीदे। मायूस व्यापारियों को धनतेरस पर काफी राहत मिली। ग्राहकों को लुभाने के लिए अट्रैक्टिव स्कीम के साथ कंपनियां मैदान में हैं तो दुकानदार अपनी ओर से खरीद पर गिफ्ट आइटम का लालच दे रहे हैं। इन दिनों दिवाली के लिए मार्केट में अलग-अलग तरह के गिफ्ट आइटम, कैडल्स, शोपीस और होम एप्लाएंसेज की भरपूर रेंज मार्केट में मौजूद है।

लूट गिरोह के पांच बदमाश गिरफ्तार, लूटी स्कूटी बरामद

बुलंदशहर

सुनसान रास्तों पर लोगोसेलूट की घटना कोअंजाम देनेवालेगिरोह के 5 बदमाशोकोपुलिस ने गिरफ्तार कर उनकेकब्जेसेलूट की एक स्कूटी व घटना में प्रयुक्त दोबाईक व तमंचा कारतूस बरामद किये है। एसएसपी श्लोक कुमार नेबताया कि रविवार कोप्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात जयकरन सिंह, नईमंडी चौकी प्रभारी नीतीश भारद्वाज व उपनिरीक्षक रविन्द्र कुमार अनिधनस्थोकेसाथ चैकिंग कर रहे थे। इस दौरान उन्हेमुखबिर सेलूट की घटना कोअंजाम देनेवाले5 बदमाशोकेस्याना अड्डे के पास होनेकी सूचना मिली। सूचना कोगंभीरता सेलेतेहुए कोतवाल टीम केसाथ मौकेपर पहुंचे और कोतवाली नगर क्षेत्र केमौहल्ला धमैडा अडडा निवासी खालिद पुत्र सगीर व शकील पुत्र हबीब तथा चौकी नई मंडी क्षेत्र केग्राम हीरापुर निवसी पुनीत उर्फ पुन्ना पुत्र गिरधारी को जेल भेजा है।

जीएसटी विभाग को करोड़ों रुपए का चूना, विभाग का हाथ मलते रह गया

बिजनौर

जनपद भर में दिल्ली और अन्य प्रदेशों से कम से कम 500 करोड़ रुपए से भी अधिक की आतिशबाजी जनपद में बिक गई है। यह आतिशबाजी जनपद में बिना अधिकारियों की सहमति के, बिना जीएसटी के बिल के कैसे आ गई और लगातार बिना बिल के 500 करोड़ों रुपए के कारोबार कैसे हो गया। इस पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। सचल दल विभाग ने हाल ही में दिल्ली से आ रहे कुछ ट्रकों को पकड़ा था जिसमें आतिशबाजी का सामान था लेकिन आतिशबाजी के थोक विक्रेताओं ने सचल दल अधिकारियों को मोटी रकम देकर यह माल चुपचाप छुड़वा लिया और रातों रात किसी को खबर नहीं लेकिन दीपावली से लगभग 1 महीने से पहले यह माल बिना जीएसटी अधिकारियों की नजरों से बचकर कैसे निकल गया और आज खुलेआम नजीबाबाद धामपुर चांदपुर जैसी सभी तहसीलों में कस्बों में देहात और ग्रामीण अंचलों में खुलेआम बिक रहा है। जनपद में लगभग 500 करोड़ों रुपए की आतिशबाजी बिक चुकी है जो बिना जीएसटी बिल के हवा हवाई बिक गयी। अधिकारी चुपचाप सब कुछ देखते रहे किसी ने भी थोक विक्रेताओं के यहां जाकर जांच करने की भी जहमत नहीं उठाई और सब का फर्जीवाड़ा हो गया। कहां से माल आया कहां बिक गया किसके पास जीएसटी बिल थे और किसके पास नहीं। विभाग की अनदेखी के चलते सरकार को करोड़ों रुपए का जीएसटी का नुकसान हो गया। यदि समय के रहते सरकारी खजाने में जीएसटी का पैसा जाता तो आज प्रदेश में कितने करोड़ों रुपए का फायदा होता लेकिन अधिकारी प्रदेश और जनता की ओर नहीं देख रहे बल्कि अपनी जेब की और देख रहे हैं की किसी तरह से भी हो बस अपनी जेब गर्म हो।

दिवाली पर खूब हो रहा है नशे का कारोबार

बिजनौर

आबकारी अधिकारी की शक्ति के बावजूद भी नशे के कारोबारी सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। आबकारी अधिकारी लगातार नशे के कारोबारियों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं इतना ही नहीं विगत दिनों आबकारी अधिकारी और विभाग की टीम ने कई नशे का कारोबार करने वाले लोगों पर सख्त कार्यवाही की है किंतु भांग की आड़ में माफिया लोग नशे का कारोबार कर सरकार और विभाग को बदनाम कर रहे हैं। आज गली कूचे में खुलकर अफीम चरस गांजा भांग आदि कई ऐसे नशीले पदारत बेच रहे हैं जिससे नौजवान उनके लालच में आकर अपनी जिंदगी को बर्बाद कर रहे हैं जबकि मुख्यमंत्री का सख्त आदेश है कि जो इस नशे के कारोबार को कर रहे हैं उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही हो और नशा करने वाले युवा पीढ़ी और लोगों को भी इससे दूर रखा जाए ताकि कोई भी व्यक्ति अलग तरह से नशा ना कर सके। हाल ही में आबकारी विभाग ने कई लोगों पर कार्रवाई भी की है लेकिन धामपुर, नगीना, नजीबाबाद, जलालाबाद, किरतपुर, भनेड़ा व छोटे-मोटे गांव कस्बों में भांग की आड़ में जो लोग कारोबार कर रहे हैं उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई जब तक नहीं की जाएगी तब तक नशे से मुक्ति नहीं मिल पाएगी। नशे का कारोबार करने वालों का कहना है कि पुलिस विभाग से लेकर समस्त अधिकारियों को वह प्रतिमाह मोटी रकम देते हैं उनका कोई भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता कुछ होगा तो कहना है कि सफेदपोश विधायक आदि का भी उनके इस कारोबार में हिस्सेदारी है इसलिए उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है जब सफेदपोश लोग ही ऐसे कारोबारियों को संरक्षण देंगे तो अधिकारीगण ऐसे लोगों पर कैसे कार्यवाही कर सकते हैं।

करंट लगने से झुलसा युवक, हालत गंभीर

बुलंदशहर। दीपावली पर्व पर हार्दिक शुभकामनाओं का संदेश लिखा बोर्ड लगा रहा युवक बुगरासी में 11 हजार का करंट लगनेसेबुरी तरह झुलस गया। जिसेसीएचसी सेप्राथमिक उपचार केबाद चिंताजनक हालत मेहायर मैडिकल सेंटर रैफर किया है। हादसा इतना भयंकर था कि युवक के शरीर से आग की लपटें उठ रहीं थी। थाना नरसेना क्षेत्र केग्राम नरसेना निवासी बंटी पुत्र मूलचंद रविवार की प्रात करीब 11 बजे कस्बा बुगरासी के स्थाना स्टैड पर एक भाजपा नेता के दीवाली होर्डिंग बोर्ड लगाने पहुंचा । बताया जाता है कि होर्डिंग लगाते समय बंटी बराबर से गुजर रही 11 हजार की लाइन की चपेट में आ गया। तेज करंट लगतेही उसकेशरीर सेआग की पलटेउठनेलगी। सडक सेकरीब 20 फुटा ऊंचेहोर्डिंग फ्रेम पर युवक केशरीर से आग की पलटेउठती देख लोगोमेअफ्रा तफ्री मच गयी। पीडित केअन्य दो साथी भी बदहवास हालत में शोर मचानेलगे।

मजिदिया पब्लिक स्कूल में मनाया दीपोत्सव

मेरठ

मजीदिया पब्लिक स्कूल ईदगाह ईकरी रोड सरधना में दीपावली महोत्सव मनाया गया। जिसमें प्रबन्धक मौ.जफर कुरैशी ने छात्र, छात्राओ को दिपावली के महत्व को समझाते हुए बताया कि दीपो का उत्सव यानि दीपावली अधर्म पर धर्म की विजय के उल्लास में मनाई जाती है इस दिन भगवान राम चौदह वर्ष का वनवास काट कर और रावण का हरण करके अयोध्या वापस आये तो लोगों ने उनके स्वागत में दीये जलाये थे। प्रत्येक वर्ष लोग दीपावली पर पूजा करते है और रात में दीये जलाते है। दिपावली रोशनी का त्योहार है जो हर जगह खुशी और भाईचारे की भावना का विकास करती है। छात्र-छात्राओं ने दिपावली की खुशी मे रंगोली, दिये और मोमबत्ती बनाई और दिपावली पर्व पर छात्र-छात्राओं में एक विशेष खुशी देखने को मिलती है जिसके अन्तगर्त सभी छात्र-छात्राए अपने दोस्तो और रिश्तेदारो को मिष्ठान वितरित करते है और रात में दिया जलाकर दिवाली पर्व का आनन्द लेते हैं।

इस विशेष अवसर पर प्रधानाचार्य रुपा चौधरी, डॉ. सोनिया गर्ग, चाँदनी, तसनीम, अर्शी, लायबा अन्सारी उपस्थित रहे।

इस बार की दीपावली बीते सालों से कुछ मायने में अलग और खास है। एक तो इस बार दो साल बाद लोग महामारी के भय से लगभग मुक्त होकर उत्साह से त्यौहार मना रहे हैं, दूसरा इस बार परंपरा की तरफ लोगों का अधिक जुड़ाव दिख रहा है। निश्चित ही पारंपरिक सांस्कृतिक मूल्यों की तरफ लोगों का लौटना, दीपोत्सव के मूल स्वरूप के संरक्षण की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

परंपरा की रोशनी में जगमगाता दीपोत्सव

आवरण कथा / नरेंद्र शर्मा

दीपावली प्रकाश, उमंग और खुशहाली का पर्व है। लेकिन इसको लेकर इस साल कुछ ज्यादा ही उत्साह लोगों में देखने को मिल रहा है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि दो सालों के बाद इस बार दिवाली, कोरोना महामारी की दहशत और मास्क की बंदिशों के बिना आई है। इसलिए लगता है, लोग इस साल, पिछले दो सालों की भी कसक मिटा डालना चाहते हैं। लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। बर्तनों, दीयों, सजावट के सामानों, पकवान-मिठाई,उपहारों और आभूषणों की दुकानों में लोगों का तांता लगा है। बच्चे ही नहीं हर उम्र के महिला-पुरुष अपनी सामर्थ्य और इच्छा के अनुसार मनपसंद चीजें खरीद रहे हैं।

लोगों को भा रही दीया-बाती

गौर करने वाली बात यह है कि इस बार बाजार में लोग आधुनिक के बजाय पारंपरिक चीजें ज्यादा खरीद रहे हैं। जबकि इससे पहले के पांच-दस सालों में आधुनिक सामान खरीदने की होड़ मची हुई रहती थी। शॉपिंग के समय लोगों के सिर पर जो आधुनिकता का रंग चढ़ा रहता था, इस बार परंपरा की तरफ मुड़ गया है। कुछ सालों पहले आधुनिकता के प्रति बढ़ते लगाव को देखकर लगने लगा था कि जैसे लोग दिवाली में पारंपरिक मिट्टी के दीयों को भूलते जा रहे हैं और एलईडी की चकाचौंध में खो गए हैं। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब फिर से लोगों को मिट्टी के दीये भाने लगे हैं। मोमबत्तियों की जगह तेल और घी के दीये जलाने का उत्साह दिखने लगा है। तभी तो बाजार में रूई और रूई की बातियां भी खूब बिक रही हैं।

आकर्षक-रंग-बिरंगे हो गए दीये

मिट्टी के दीयों का दो साल पहले तक दीपावली के अवसर पर 70 से 80 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ करता था। बाजार के समीक्षकों का अनुमान है कि इस बार यह 300 करोड़ तक पहुंच सकता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि लोग अपनी संस्कृति और परंपरा की तरफ कितने उत्साह से लौट रहे हैं। हालांकि इस आकर्षण की एक वजह यह भी है कि अब मिट्टी के दीये या मिट्टी की मूर्तियां पहले की तरह अनगढ़ नहीं रहीं, बल्कि एक से बढ़कर एक डिजाइन के दीये और शानदार फिनिशिंग वाली मिट्टी की मूर्तियां बाजार में मिलती हैं। कहने का मतलब यह कि कुम्हारों ने अपने आपको लोगों की पसंद के अनुसार ढालने का भी प्रयास किया है, तभी तो पारंपरिक दीयों और मूर्तियों को शानदार डिजाइनर रंग-रूप में ढाल दिया है। यही नहीं बाजार में इस बार मोमबत्ती के आकार के, बिजली और बैटरी से चलने वाले प्लास्टिक के दीयों की हूबहू नकल भी मिट्टी के दीयों में मिल रही है, जो बेहद खूबसूरत दिखते हैं, इसलिए लोग चाव से इन्हें खरीद रहे हैं। यही वजह है कि पहले जहां 50 से 75 रुपए प्रति दर्जन डिजाइनर दीये मिल जाते थे, वहीं इस बार डिजाइन दीया कम से कम 10-20 रुपए का एक मिल रहा है यानी 120 रुपए से ऊपर जाकर इनका प्रति दर्जन का रेट शुरू होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मिट्टी के दीये और बर्तन बनाने वालों ने अपने काम में कला और आधुनिक उपकरणों को भी शामिल किया है। साथ ही हर तरह की सामग्री पहले से कहीं ज्यादा महंगी हो चुकी है। इसलिए इन चीजों के बनाने में निवेश भी काफी हो रहा है। इन तमाम वजहों से अब परंपरागत ढंग से दिवाली का उत्सव मनाते हुए हम पिछड़े हुए या अनगढ़ नहीं दिखेंगे।

मिट्टी की मूर्तियों के प्रति बढ़ा रुझान

बात सिर्फ पारंपरिक मिट्टी के दीये और रूई की बाती की ही नहीं है, इस बार बाजार में प्लास्टिक से बने गणेशजी और लक्ष्मीजी की मूर्तियां भी ढूंढ़े से नहीं मिल रही हैं। जबकि हाल के सालों में इनकी भरमार दिखा करती थी। यहां तक कि बाजार में अब प्लास्टर ऑफ पेरिस या चीनी मिट्टी की मूर्तियों की तुलना में मिट्टी की मूर्तियों को लोग ज्यादा खरीद रहे हैं। जिस तरह से इस साल बाजार में मिट्टी के दीयों और मिट्टी की मूर्तियों की मांग बढ़ी है, उससे साफ लगता है कि लोगों में अपनी परंपरा के प्रति लौटने का रुझान बढ़ा है। हां, यह बात भी है कि मिट्टी के दीये और मिट्टी की मूर्तियां, प्लास्टिक या पीओपी से बनी रेडीमेड मूर्तियां और दीयों से महंगी मिलती हैं। लेकिन फिर भी लोग थोड़ा ज्यादा पैसा खर्च करके इस दिवाली में मिट्टी की खुशबू और परंपरा की रोशनी में त्यौहार मनाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। हालांकि घरों की पेंटिंग के लिए आज भी दीवारों पर केमिकल रंगों की भरमार दिख रही है। लेकिन उम्मीद की जा सकती है कि जल्द ही पेंटिंग आदि अन्य क्षेत्र में भी पारंपरिक तौर-तरीके लौटेंगे।

सोशल मीडिया की भी रही भूमिका

इस बदलाव की एक वजह यह भी है कि सोशल मीडिया ने परंपरा से जुड़ने के लिए प्रेरित करने में अच्छी भूमिका निभाई है। वास्तव में इस मीडिया में सिर्फ जीवनशैली से संबंधित चीजों को ही बढ़ावा नहीं मिलता बल्कि परंपरा के प्रति भी यहां बहुत सकारात्मक रुझान देखा जा सकता है। इसलिए बाजार में हाई-फाई और बाहरी साज-सज्जा के बीच, खांटी देसी परंपरा वाली चीजों की भी अच्छी-खासी मांग पैदा हो गई है। वजह कोई भी हो, लेकिन सुखद है कि कम से कम इसी बहाने भारतीय संस्कृति और परंपरा संरक्षित ही नहीं फल-फूल भी रही है। *

पूजन विधि / आर. सी. शर्मा

दीपावली पर ऐसे करें महालक्ष्मी की आराधना

दीपावली की संध्या को हम सभी गणेशजी के साथ लक्ष्मीजी की पूजा करते हैं। धार्मिक विद्वानों के अनुसार इस दिन शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से महालक्ष्मी की आराधना करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। विधिपूर्वक उनकी आराधना कैसे करें, जानिए।

दीपावली प्रकाश का पर्व होने के साथ-साथ तंत्र और देवी महालक्ष्मी की विशेष साधना का भी पर्व है। कार्तिक अमावस्या की महानिशा में महालक्ष्मी की पूजा सही तरीके से की जाए तो जीवन में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती है। पूजा समाप्त होने के बाद पूरे घर में दीये जलाने चाहिए।

सही आसन-दिशा: पति-पत्नी को साथ बैठकर पूजा करनी चाहिए। इस दौरान पत्नी को पति की दाहिनी ओर बैठना चाहिए। पूजा हमेशा पूर्व की ओर मुंह करके ही करें। इस दौरान अंगोछे में सुपारी, चावल, एक रुपए का सिक्का गांठ बांधकर रखें। पूजा के दौरान नवग्रह बना लें। बैठने का आसन लाल कंबल का रखें या किसी रंग के कंबल पर लाल रेशमी कपड़ा बिछा लें। पति-पत्नी एक ही आसन पर बैठें। पत्नी को पूर्ण श्रृंगार करके पूजा करनी चाहिए।

ऐसे करें आरंभ: पूजा की शुरुआत स्वयं को पवित्र करने के साथ करें। इसके पश्चात आचमनी से दाहिने हाथ में जल लेकर निम्न मंत्र का वाचन करें-

ॐ श्री महालक्ष्म्यै नमः। ऐं आत्म तत्वं शोधयामि नमः स्वाहा।
ॐ श्री महालक्ष्म्यै नमः। ह्रीं विद्यां तत्वं शोधयामि नमः स्वाहा।
ॐ श्री महालक्ष्म्यै नमः। क्लीं शिव तत्वं शोधयामि नमः स्वाहा।
ॐ श्री महालक्ष्म्यै नमः। ऐं ह्रीं क्लीं सर्व तत्वं शोधयामि नमः स्वाहा।

आचमन करने के बाद अपने हाथ में हल्दी या रोली से रंगे अक्षत, पुष्प दूर्वा, कुश तथा एक सिक्का लेकर गणेश-लक्ष्मी पूजन तथा स्त्रोत पाठ का संकल्प लें। संकल्प के पश्चात दोनों का ध्यान करें और इसके बाद गणपति पूजन शुरू करें। गणपति पूजन के बाद नवग्रहों का पूजन करें। अब एक बड़ा दीपक देशी घी का जलाकर उसकी चंदन, अक्षत या पुष्प से पूजा करके चौकी के दाहिनी ओर रखते हुए निम्न मंत्र पढ़ें-

भो दीप त्वं ब्रह्मरूप अंधकार निवारकः, इमां मया कृतां पूजां गृहणस्तेज प्रवर्धय।। ऊं दीपेभ्यो नमः।

अंत में आंख बंद कर हाथ जोड़कर पूरा ध्यान केंद्रित कर यह श्लोक पढ़ते हुए महालक्ष्मी का ध्यान करें-

अक्षस्त्रक, परशु गदेषु कुलिशं पद्म धनुः कुंडिका,
दंड शक्तिमसिं च चर्म जलजं घंटां सुराभाजनम।
शूलं पाश सुदर्शने च दधतीं हस्तैः प्रसन्नाननां,
सेवे सैरिभमर्दिनीमिह महालक्ष्मी सरोजस्थिताम।।

इस दौरान मन ही मन 'ऊं श्री महालक्ष्म्यै नमो नमः' कह लें तीन बार। इसके बाद निम्न मंत्र से महालक्ष्मी का आह्वान करें।

ॐ सर्व लोकस्य जननीं शूल हस्तां विलोचनाम्।
सर्वदेवमयीमीशां देवीम् आह्वाम्यहम्।।
आवाह्यामि।

विधिपूर्वक करें साधना : आह्वान के बाद मान लें कि देवी महालक्ष्मी पधार गई हैं। अतः कुमकुम से रंगे चावलों द्वारा चौकी पर उन्हें स्थान निर्दिष्ट कर कमल को खोलकर उसकी पंखुड़ियों को पूर्णतः फैलाकर आसन दें। कमल रात में बंद हो जाते हैं, इसलिए उन्हें खोलना पड़ता है। टूट जाएं तो पंखुड़ियां सजाकर बिछा दें। अब महालक्ष्मी की मूर्ति को एक थाली या बड़ी परात के मध्य में एक बड़ी चपटी सतहदार कटोरी को उलटकर रख दें। कटोरी बड़ी हो ताकि उसकी पेंदी पर मूर्ति खड़ी हो सके। फिर गंगाजल, तीर्थजल, फूल, चंदन डालकर भक्ति भावना से उनके चरण धोएं। चरण धोने के बाद नई तौलिया या शुद्ध कोमल कपड़े से उनके चरण पोंछ दें। इसके बाद चांदी के छोटे से कलश या लोटे से मां लक्ष्मी को एक सौ ग्यारह बार दूध से स्नान कराएं। देवी प्रतिमा को तौलिये से खूब अच्छी तरह पोंछकर सुंदर-सुंदर वस्त्र तथा उपवस्त्र पहनाएं। वस्त्र लाल हों। वस्त्र, उपवस्त्र पहनाने के बाद महामाता को भोग लगाना चाहिए। अतः दही और शहद मिश्रित करके देवी के होंठों तक ले जाएं। अब देवी की प्रतिमा को ऊं श्री महालक्ष्म्यै नमः का जाप करते हुए उनके स्थान पर कमलासन के ऊपर प्रतिष्ठित कर दें। फिर उन्हें प्रणाम करते हुए सौंदर्य प्रसाधन सामग्री स्पर्श कराकर चूड़ी आदि रखकर बिंदी लगाकर, मोतियों की या अन्य सोने की, चांदी, रत्नों की मालाएं यानी आभूषण भक्तिभाव से अर्पित कर दें। पूजन के बाद समस्त घर में दीपक जलाएं। इस तरह विधि-विधान से साधना की जाए तो सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। *

दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे

दीपक-सी हो जिंदगी

दीपक गाने लग गया, आज खुशी के गीत।
आओ हम उल्लास में, झूमें ऐ मनमीत।।
दीपक पूजन योग्य है, देता है उजियार।
दीपक से हारे सदा, रातों का अंधियार।।
दीपक तूफां से लड़े, ले संघर्षी भाव।
जो लड़ता साहस लिए, खोता ना निज ताव।।
दीपक सूरज-सा लगे, गहन निशा में आज।
बन उजास का मित्र वह, करता चोखा काज।।
दीपक माटी से बना, पर बेहद मजबूत।
जो आशा लेकर बना, सफल भाव का दूत।।
दीपक इक प्रतिमान है, दीया है पहचान।
हम भी दीपक से रखें, अपने सब अरमान।।
दीपक जतलाता हमें, देता है संदेश।
नहीं निराशा रख कभी, हो कैसा आवेश।।
दीपक-सी हो जिंदगी, हो मीठी मुस्कान।
बाती-सा जलते रहो, लेकर के निज शान।।
दीपक के संग तेल है, बाती का है साथ।
जिसके संग सहयोग है, रहे सफलता हाथ।।

शुभ प्रतीक / अनीता जैन, वास्तुविद

कल्याणकारी-वास्तुदोषनाशक स्वास्तिक

सनातन धर्म में ही नहीं, अन्य कई धर्मों में भी स्वास्तिक को परम पवित्र, मंगल करने वाला प्रतीक माना गया है। इसमें सभी धर्मों एवं समस्त प्राणियों के कल्याण की भावना निहित होती है। इसलिए आदिकाल से ही प्रत्येक शुभ कार्य और पूजन में स्वास्तिक के प्रतीक को सर्वप्रथम प्रतिष्ठित करने का विधान है। माना जाता है मांगलिक प्रतीकः सत्य, शाश्वत, शांति, अनंतदिव्य, ऐश्वर्य, संपन्नता एवं सौंदर्य का प्रतीक माना जाने वाला यह मांगलिक चिन्ह, बहुत ही शुभ है। इसी कारण किसी भी मांगलिक कार्य के आरंभ से पहले स्वास्तिक चिन्ह बनाकर स्वस्तिवाचन करने का विधान है। गणेश पुराण में कहा गया है कि स्वास्तिक, गणेशजी का ही स्वरूप है, इसलिए सभी शुभ, मांगलिक और कल्याणकारी कार्यों में इसकी स्थापना अनिवार्य है। इसमें सारे विघ्नों को हरने और अमंगल दूर करने की शक्ति निहित है। इसीलिए इसकी प्रतिष्ठा के बाद मांगलिक कार्य करने से वो निर्विघ्न सफल होता है। शास्त्रानुसार स्वास्तिक की आठ भुजाएं- पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु, आकाश, मस्तिष्क, भाव आदि की प्रतीक मानी गई हैं। मुख्य चार भुजाएं चारों दिशाओं, चार वेदों एवं चार पुरुषार्थ (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष) के प्रतीक हैं।

वास्तु दोष होगा दूर

किसी भी क्षेत्र में सिर्फ एक स्वास्तिक बनाकर हम अपने वास्तुक्षेत्रों को स्वाभाविक रूप से ब्रह्मांड में व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा के साथ जोड़ सकते हैं। वास्तुदोष निवारण के लिए स्वास्तिक एक कारगर उपाय है, क्योंकि इसकी चारों भुजाएं चारों दिशाओं की प्रतीक होती हैं और इसीलिए इस चिन्ह को बना कर चारों दिशाओं को एक समान शुद्ध किया जा सकता है। यदि आपके घर में या व्यावसायिक स्थल पर किसी प्रकार का कोई वास्तुदोष है तो वहां की नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करने के लिए पूर्व, उत्तर-पूर्व या उत्तर दिशा में स्वास्तिक का चिन्ह बनाना चाहिए। इसकी जगह आप अष्टधातु या तांबे का स्वास्तिक भी लगा सकते हैं। अपने बच्चों का ध्यान पढ़ाई में लगाने के लिए पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में स्वास्तिक बनाएं। यह उनकी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन कराने में सहायक होगा। *

लघुकथाएं

शुभ दिवाली

अरे! कल दिवाली है और तुम ऑफिस से ऐसा मुरझाया हुआ चेहरा लेकर आ रहे हो।' सविता ने अपने पति उमेश से कहा।

'हां सविता, मेरा आज ऑफिस में भी काम करने में मन नहीं लगा। मैं दिनभर मां के बारे में ही सोचता रहा। आज मैं इतने बड़े पद पर हूं तो इसके पीछे मां का त्याग, उनकी तपस्या, उनका परिश्रम ही है।' दुखी स्वर में उमेश बोला। एक पल रुककर वह आगे बोला, 'सविता, मैं तुमसे चार दिन से बोल रहा था, चलो मां को ले आते हैं, लेकिन तुम दिवाली का काम है, दिवाली का काम है, कहकर टालती रहीं।'

'अरे बेटा आ गया तू...!' उमेश को आवाज सुनाई दी। उसने पीछे मुड़कर देखा तो मां खड़ी थीं। वह मां को देखकर आश्चर्यचकित था। दौड़कर उनके गले लग गया। इसके बाद सविता से बोला, 'यह सरप्राइज कैसा? मां को कौन छोड़ गया? तुमने मुझे बताया क्यों नहीं?'

सविता बोली, 'मां को तो भैया आज दोपहर पहुंचा गए। लेकिन अगर मैं तुम्हें पहले ही बता देती तो क्या मां को देखने की ऐसी खुशी तुम्हारे चेहरे पर हमें मिलती?'

'वाह! सविता तुमने तो दिवाली को 'शुभ दिवाली' बना दिया, उसका आनंद दोगुना कर दिया।' उमेश हर्ष के साथ बोला। *

चंद्र प्रकाश डाले

योगदान

जगमगाते दीपों को देखकर सब कहने लगे, 'देखो, दीपक कितने खूबसूरती से जल रहे हैं... रोशनी ही रोशनी...।' यह सुनकर दीये की जलती हुई बाती उदास हो गई। एक दीये ने उससे पूछा, 'बाती बहन, तुम अचानक से बुझी-बुझी-सी क्यों हो?'

'और क्या करूं, आग में मैं जल रही हूं, नाम तुम्हारा हो रहा है।' बाती गुस्से से बोली।

उस दीये ने बाती को समझाया, 'बहन, दीया और बाती तो एक-दूसरे के पूरक हैं, हम एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। तुम हो तो मैं हूं और मैं हूं तो तुम हो।'

बाती दीपक की बात से संतुष्ट नहीं थी। वह बोली, 'कुछ भी कहो लेकिन सच तो यह है कि जलती तो मैं ही हूं।' दीपक कुछ और कहता इससे पहले ही रोशनी मंद पड़ने लगी। दीपक ने फिर कहा, 'बहन आज दीपावली है, आज की रात तो मेरा साथ दो, कल की कल देखी जाएगी।'

'दीपक भैया, मुझे भी नहीं पता रोशनी कम क्यों हो रही है। मैं उदास जरूर हूं, लेकिन जलने से पीछे नहीं हट रही हूं।' बाती ने चिंता में कहा। उसी समय आवाज आई,

'ये रोशनी न दीपक भैया के कारण हो रही है और न ही बाती बहन के कारण। यह रोशनी सिर्फ मेरी वजह से है, जिसका नाम कभी कोई लेता नहीं। जब तक मैं हूं रोशनी बिखेरूंगा, मेरे खत्म होते ही न दीप जलेगा न बाती।'

'कौन हो भैया तुम?' दीपक और बाती ने एक स्वर में पूछा। जवाब आया, 'मैं हूं तेल...।' यह सुन बाती चुप हो गई, क्योंकि उसे आभास हो गया था कि प्रकाश फैलाने में उसका कितना योगदान है। *

गोविंद भारद्वाज

शुभ दीपावली

प्रकाश और अंधेरे का मनोरम समन्वय है दीपावाली

ऋग्वेद के श्रीसूक्त के अनुसार लक्ष्मी कांतिमय, तेजोमय एवं कामना पूर्ण करने वाली देवी हैं, जो स्वर्णमयी ज्योति से संपन्न हैं, देवों को तृप्त करने वाली कमल पर विराजमान हैं और कमल-सदृश वर्ण वाली हैं। यजुर्वेद में लक्ष्मी का अर्थ तेज बताया गया है। अथर्ववेद के ब्रह्मस्वरूपिणी, आदिशक्ति स्वरूपा महालक्ष्मी अपना स्वरूप स्वयं कहती है। वैदिक साहित्य में लक्ष्मी को आदिशक्ति स्वरूपा, सर्वव्यापी पराशक्ति माना गया है। लक्ष्मी ही देवों की सभी अवतारों की प्रधान प्रकृति हैं। स्थूल-सूक्ष्म, दृश्य-अदृश्य, व्यक्त अथवा अव्यक्त सब उन्हीं के विविध रूप हैं। सूक्ष्मरूप से सर्वत्र व्याप्त होती हुई भी भक्तों पर अनुग्रह करने के लिए परम दिव्य, चिन्मय, सगुण रूप से सदा विराजमान रहती हैं।

आलोक पर्व दीपावली असत्य पर सत्य और तमस पर ज्योति की विजय का सनातन उद्घोष है। यह पर्व निराशा के सघन अंधकार में आशा की किरण जगाता है। किसान के उदास अधरों पर हर्ष की लाली बिखेरता है और मन के सूने आंगन में हर्षोल्लास की किरणें जगाता है। सुख-समृद्धि से परिपूर्ण करने वाली मां लक्ष्मी और ऋद्धि-सिद्धि दायक गणपति गणेश पूजन का पांच दिवसीय पर्व दीपावली शुरू हो चुका है। धनतेरस से इसकी शुरुआत हुई। रविवार को छोटी दीपावली के बाद सोमवार को प्रकाश और ज्योति का महोत्सव दीपावली मनाया जाएगा। भगवान प्रभु श्रीराम के लंका पर विजय और 14 वर्ष के वनवास की अवधि पूरी कर अयोध्या वापस लौटने की खुशी में मनाया जाने वाला दीपावली आज के समय में तब और प्रासंगिक हो गया है, जब सैकड़ों वर्ष के कठिन संघर्ष के बाद अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर निर्माण तेजी से हो रहा है। 2024 में मकर संक्रांति के दिन रामलला गर्भगृह में स्थापित हो जाएंगे।

दीपावली राष्ट्र को धन-धान्य से पूर्ण और सब प्रकार से संपन्न बनाने का विराट आयोजन है। यह पर्व मात्र महलों की प्राचीर को विद्युत बल्बों से आलोकित नहीं करता, बल्कि निर्धन की कुटिया में आशा का दीप बनकर अपनी मधुर ज्योति भी बिखेरता और आत्मनिर्भरता का संदेश देता है। ज्योति पर्व किसान को नए धान्य के अभिनंदन की वेला प्रदान करता है। व्यवसायिक वर्ग में धन-धान्य से संपन्न रहने का सुमधुर विश्वास जगाता है तथा विद्वान समाज को विद्या वृद्धि का अक्षय आशीष प्रदान करके उन्हें राष्ट्रहित में अर्पित और समर्पित होने की प्रेरणा देता है।

अमावस्या की काली रात दीपों से जगमगा उठती है। माता लक्ष्मी का पदार्पण होते ही जन-जन के उदास होठों पर हंसी के फव्वारे फूट पड़ते हैं। निराश आंखें प्रसन्नता से चहक उठती हैं। बाल-मंडली हर्षोल्लास से ऐसे प्रफुल्लित हो उठती है, मानो माता मां लक्ष्मी आंगन में थिरकती हुई आई हैं, जैसे उन्होंने बालकों को अपनी गोद में उठाकर चूमा और अभय का वरदान देकर मुस्कराती हुई दीपों की अनवरत पंक्ति में कहीं विलीन हो गई हैं। यह जनमानस की भ्रांति है कि मां लक्ष्मी मात्र धन और ऐश्वर्य की देवी हैं, चंचला, अस्थिर, प्रकृति और विद्या की देवी सरस्वती से बैर रखने वाली हैं।

ऋग्वेद के श्रीसूक्त के अनुसार लक्ष्मी कांतिमय, तेजोमय एवं कामना पूर्ण करने वाली देवी हैं, जो स्वर्णमयी ज्योति से संपन्न हैं, देवों को तृप्त करने वाली कमल पर विराजमान हैं और कमल-सदृश वर्ण वाली हैं। यजुर्वेद में लक्ष्मी का अर्थ तेज बताया गया है। अथर्ववेद के ब्रह्मस्वरूपिणी, आदिशक्ति स्वरूपा महालक्ष्मी अपना स्वरूप स्वयं कहती है। वैदिक साहित्य में लक्ष्मी को आदिशक्ति स्वरूपा, सर्वव्यापी पराशक्ति माना गया है। लक्ष्मी ही देवों की सभी अवतारों की प्रधान प्रकृति हैं। स्थूल-सूक्ष्म, दृश्य-अदृश्य, व्यक्त अथवा अव्यक्त सब उन्हीं के विविध रूप हैं। सूक्ष्मरूप से सर्वत्र व्याप्त होती हुई भी भक्तों पर अनुग्रह करने के लिए परम दिव्य, चिन्मय, सगुण रूप से सदा विराजमान रहती हैं।

संपूर्ण जगत के श्रद्धालु उपासकों को धन देने वाली ब्रह्मस्वरूपिणी देवी हैं। आत्मस्वरूप आकाशादि का भी निर्माण करती हैं, उनका स्थान आत्मस्वरूप को धारण करने वाले बुद्धि-चित्त में है। जो उनके दिव्य रूप को हृदय में धारण करके विधिवत उपासना करता है, वही दैवी संपत्ति को प्राप्त करता है। प्राचीन भारत में दीपमाला उत्सव कृषि उत्सव के रूप में मनाया जाता था। क्योंकि यह पर्व नए धान्य के आगमन का भक्तिपूर्ण अभिनंदन हैं, उस देवी का अर्चन है, जो धन-धान्य के भंडार भरकर हमें ऋद्धि-सिद्धि प्रदान करती है। दुर्भाग्य से आज पूजन का यह आध्यात्मिक स्वरूप कुंठित होकर आडंबर का रूप धारण कर रहा है। तेल और घी के अभिमंत्रित दीपकों का स्थान मोमबत्ती, विद्युत बल्बों की झालर, आतिशबाजी और पटाखों ने ले लिया है। गुनगुने ठंड के माह कार्तिक के अमावस्या तिथि की स्याह काली रात में प्रकाश का पर्व और ज्योति का महोत्सव दीपावली जितना अंतः लालित्य का उत्सव है, उतना ही बाह्यलालित्य का भी है। जहां सदा उजाला हो, साहस पर भरोसा हो और निष्ठा हो, वहां उत्सव ही उत्सव होता है। दुनिया में ऐसा सिर्फ और सिर्फ हिंदुस्तान में है, जहां की उजाला सामूहिक रूप से प्रसारित होने से सर्वत्र सौंदर्य खिल जाता है। दीपों की पंक्तियां और ज्योति की निष्ठा समाहित होकर दीपावली की आभा अभिव्यक्त हो उठती है। दीपावली का लालित्य प्रकाश और अंधेरे का मनोरम समन्वय है, उसमें अग्रगामिता है। दीपावली में दीपों की पंक्तियां पर्व बन जाती है, पर्व का तात्पर्य है कि स्मृति के हजारों तार झनझना उठें, लेकिन हम अपने वर्तमान में जीते रहें। यदि हम अपने वर्तमान में नहीं हैं और भविष्य के संग हमारा सम्यक भाव नहीं जुड़ा है तो वह पर्व नहीं विडंबना है, जिसकी लकीर पीटने में सब लगे हैं।

कुछ पथभ्रष्ट लोग दीपावली पर जुआ खेलकर अपने सर्वनाश को स्वयं आमंत्रित करते हैं। इस दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण कर लक्ष्मी को दैत्यराज बलि के बंधन से मुक्त कराया था। लेकिन कुछ पथभ्रष्ट लोग इस पावन पर्व पर लक्ष्मी का अपमान करते हैं, उसे अपने मंदिर में स्थापित करने के बदले दूसरों के महलों की बंदिनी बना देते हैं। महालक्ष्मी आठ वसुओं (संपत्तियों) की जन्मदात्री हैं। वे वसु हमें अनायास प्राप्त नहीं हो जाते, राजा पृथु को इन वसुओं को प्राप्त करने के लिए पृथ्वी का दोहन करना पड़ा था, आठ वसुओं को जन्म देकर पृथ्वी वसुमती कहलाई।

यदि मनुष्य की साधना सच्ची, विश्वास अटल और अंतःकरण पवित्र होगा तो महालक्ष्मी सर्वांगसुंदरी मोहिनी बनकर उसका वरण करेंगी। आज आवश्यकता है कि हम इन पुरातन, प्रतीकात्मक प्रसंगों का उपहास नहीं उड़ाकर उनमें अंतर्निहित संदेशों को ग्रहण करें। यही हमारी सच्ची भक्ति होगी, सम्यक लोक आराधना होगा। सांस्कृतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा का भी एकमात्र यही उपाय है। वसुमती के वसु सर्वसामान्य के लिए हैं, चंद कुबेरों अथवा मठाधीशों के महलों में उन्हें कैद नहीं करना है। यह वसुमती के वरदान हैं, जिन्हें प्राप्त करने का सभी को बराबर का अधिकार है।

यदि महालक्ष्मी को चंद सेठ बंदी बनाकर अपनी तिजोरियों में कैद कर लेंगे, तो एक बार पुनः संघर्ष होगा। दीन-दरिद्रों की झोपड़ियां ना जाने कब से प्रकाश की एक किरण को तरस रही है। प्रकाशपुंज को अपनी मुट्ठियों में कैद नहीं करें, उसे जनसाधारण की बस्तियों में भी बिखर जाने दें। गरीब, भोले-भाले बालकों की झोली से खेल-खिलौनों का प्रसाद मत छीनें, अन्यथा लक्ष्मी क्रुद्ध हो जाएंगी। गरीबों की आहें महलों की अट्टालिकाओं को ध्वस्त कर देंगी।

दुर्भाग्य है कि देश के कर्णधार ही विषैले दंशों से राष्ट्र की अस्मिता का शोषण कर रहे हैं। वास्तविकता यह है कि उनके सारे मुखौटे नकली हैं। वे स्वरूपिणी लक्ष्मी का हरण करके रावण जैसा आचरण कर रहे हैं। नारी की अस्मिता के साथ खिलवाड़ करके दुशासन जैसा वीभत्स आचरण कर रहे हैं। कल कोई वनवासी राम दंडकवन में आएगा और रावण के पाप, घृणा, द्वेष, लिप्सा, काम, क्रोध, मोह, छल, प्रपंच तथा कपट नामक दसों सिरों को काटकर देवी सीता को मुक्त करा लेगा। कोई गदाधारी भीम कल अवश्य अवतरित होगा। वह दुराचारी दुशासन के वक्ष को चीरकर उसके लहू का पान करेगा और कांप रही भारतीय संस्कृतिरूपी द्रोपदी उस लहू से अपने केश को सींचकर भारत की साम्राज्ञी बनेगी। देश में छद्मवेश में घूम रहे अनाचारियों एवं आतंकवादियों का अंत हो। भारत की पवित्र भूमि पर धर्म की विजय पताका फहराए। पाप, घृणा, द्वेष, छल, कपट एवं भ्रष्टाचार का तमस भारत के क्षितिज से दूर हो जाए। अमावस्या के इस निविड़ अंधकार को चीरकर ज्योतिस्वरूपा लक्ष्मी मुस्कान बिखेरें। वह केवल धनाधिप कुबेर के महलों में ही नहीं थिरकें। दीन सुदामा के बालक वर्षों से खील-खिलौनों को तरस रहे हैं। मां लक्ष्मी उनकी कुटिया में भी प्रवेश करें।अपने स्वर्ण-कलश से रत्न, मोती और अशर्फियां इस प्रकार बिखेरें कि कोई उदर भूख से तड़पता नहीं रह जाए। कोई अधर उनके द्वारा वितरित अमृत के लिए तरसता नहीं रह जाए। कोई नयन निराशा से बुझ न जाए। हर देहरी, हर आंगन दीपों के झिलमिल प्रकाश से जगमगा उठे। राष्ट्र के कण-कण में समृद्धि का विलास हो। खुशहाली की किरणें बिखरे और द्वार पर बंधे प्रत्येक वंदनवार से यही मंगल संदेश मुखरित हो। दीपावली बहुलता का प्रतिरूप है। इसमें हर दीया सृजन का प्रतीक है। दीपावली में अपने अंदर के सृजन के दीप जलाएं। स्वयं उससे प्रकाशित होकर राष्ट्र को प्रकाश पथ पर अग्रसर करें।

सुरेन्द्र किशोरी

शुभ दीपावली

दीपावली : त्योहार एक, रूप अनेक

राष्ट्र के कोने-कोने में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाने वाला रोशनी का यह रंग-बिरंगा पर्व देश के विभिन्न हिस्सों में कुछ भिन्नता अवश्य लिए हुए है। हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार में दीपावली का त्योहार पूर्णतः वैदिक रीति से मनाया जाता है। रात्रि के समय मुहूर्त के अनुसार गणेश व लक्ष्मी का पूजन किया जाता है तथा व्यापारी वर्ग इन राज्यों में इस दिन लक्ष्मी पूजन के साथ-साथ अपने बही-खातों की भी पूजा करते हैं। घर के भीतर व बाहर दीपमालाएं प्रज्ज्वलित की जाती हैं और बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक आतिशबाजी का मजा लेते देखे जाते हैं। इस दिन लोग अपने परिचितों, रिश्तेदारों व मित्रों को खील, बताशे, चीनी के बने खिलौने, मिठाइयां, मेवा अथवा अन्य उपहार भेंट करते हैं। धनतेरस पर यहां बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। उत्तर प्रदेश में लोग इस दिन गाय की पूजा भी करते हैं जबकि बिहार में लोग इस दिन कच्चा नारियल खाना शुभ मानते हैं तथा मशाल जलाकर गांव की पूजा करते हैं।

राजस्थान में दीपावली का त्योहार 'वीरों के पर्व' के रूप में मनाया जाता है। वीरभूमि राजस्थान में इस दिन शस्त्रों की पूजा की जाती है और प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में शस्त्र कला का शानदार प्रदर्शन भी किया जाता है। इसके साथ-साथ कुछ स्थानों पर रातभर सामूहिक लोकगीतों व लोकनृत्यों के कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। दीपावली के दिन राजस्थान के कुछ भागों में बिल्ली को लक्ष्मी का रूप मानकर उसकी पूजा भी की जाती है तथा सभी मिष्ठानों का भोग पहले बिल्ली को ही लगाया जाता है। कहा जाता है कि अगर बिल्ली इस अवसर पर किसी का कुछ नुकसान भी करे तो भी बिल्ली को लोग नहीं दुत्कारते।

हिमाचल प्रदेश के बहुत से क्षेत्रों में दीपावली उत्तर भारत के अन्य राज्यों की भांति ही मनाई जाती है लेकिन कुछ पहाड़ी भागों में दीपावली का अलग ही रूप देखने को मिलता है। इन क्षेत्रों में दीपावली का त्योहार पूरे देश में मनाए जाने वाले दीपावली के त्योहार से ठीक एक माह बाद मनाया जाता है और इसे 'बूढ़ी दीपावली' के नाम से जाना जाता है। मार्गशीर्ष की अमावस्या को मनाई जाने वाली बूढ़ी दीपावली के बारे में यह किवंदती प्रचलित है कि जब भगवान श्रीराम लंका पर विजय हासिल करके अयोध्या लौटे थे तो देशभर में उनके लौटने की खुशी में घी के दीये जलाकर खुशियां मनाई गई थी लेकिन हिमाचल के इन दूरदराज पहाड़ी इलाकों में बसे लोगों को श्रीराम के लौटने की सूचना इसके एक माह बाद मिली थी, इसीलिए यहां दीपावली के त्योहार का आयोजन देशभर में मनाई जाने वाली दीपावली से एक माह बाद किया जाने लगा।

पश्चिम बंगाल में यूं तो दीपावली से एक माह पूर्व मनाई जाने वाली दुर्गा पूजा का विशेष महत्व है लेकिन यहां दीपावली का पर्व भी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन यहां गणेश-लक्ष्मी के बजाय महाकाली की पूजा की जाती है। रात को महाकाली की पूजा के उपरांत लोग पटाखे चलाते हैं तथा मिठाइयों का आनन्द लेते हैं। इसके अलावा यहां एक अलग रिवाज भी देखने को मिलता है। बंगाली युवतियां इस दिन दीप जलाकर नदी में प्रवाहित करती है क्योंकि यहां ऐसी मान्यता है कि जिस युवती का दीप बुझने तक नदी में तैरता रहेगा, उसका पूरा वर्ष सुख, शांति एवं ऐश्वर्य से बीतेगा।

महाराष्ट्र में वैसे तो दीपावली पर गणेश-लक्ष्मी का ही पूजन किया जाता है और लोग अपने घरों के अंदर व बाहर दीपों की कतार जलाकर अपने घरों को आलोकित करते हैं तथा रोशनी के लिए तरह-तरह के रंग-बिरंगे फैंसी बल्बों का प्रयोग भी खूब देखा जाता है किन्तु प्रदेश के कुछ हिस्सों में दीपावली का पर्व 'यम पूजा' के लिए भी प्रसिद्ध है। 'भैया दूज' को यहां विशेष महत्व दिया जाता है और इस अवसर पर यमराज की पूजा-अर्चना करके उन्हें दीपदान किया जाता है जबकि कुछ हिस्सों में दैत्यराज बलि की पूजा का भी प्रचलन है। राजा बलि की मूर्ति बनाकर सामूहिक रूप से उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। हर खुशी के मौके अथवा पर्व पर अपने-अपने घरों में रंगोली सजाना तो महाराष्ट्र की गौरवशाली संस्कृति का अहम हिस्सा है। दीपावली पर भी महिलाएं अपने घर-आंगन में रंगोली सजाती हैं। यहां लोग धनतेरस के दिन बर्तन खरीदना शुभ नहीं मानते।

मध्य प्रदेश में भी कुछ स्थानों पर महिलाएं महाराष्ट्र की ही भांति अपने घर-आंगन में रंगोली सजाती हैं और राजा बलि की मूर्ति की स्थापना करके उसकी पूजा करती हैं। रात को पूजन करने के उपरांत एक-दूसरे को मिठाईयां व उपहार बांटे जाते हैं और लोग आतिशबाजी का मजा लेते हैं।

गुजरात में दीपावली के दिन पारम्परिक तरीके से लक्ष्मी का पूजन किया जाता है तथा व्यापारी वर्ग नए बही-खाते बनाता है। लक्ष्मी पूजन के साथ-साथ गुजरात के कुछ क्षेत्रों में 'शक्ति' का पूजन भी किया जाता है। पूजन के बाद एक-दूसरे को उपहारों का आदान-प्रदान किया जाता है। इस दिन यहां महिलाएं कच्चे घड़ों को आटे और चावल से सजाती हैं। दीपावली के दिन गुजरात में नमक खरीदना और बेचना शुभ माना जाता है, जिसे यहां 'वांघवरान' कहा जाता है।

कर्नाटक में लोग दीपावली के अवसर पर नई फसल आ जाने की खुशी में लक्ष्मी के साथ-साथ धरती मां की पूजा भी विशेष तौर पर करते हैं। यहां इस दिन उबटन लगाकर नहाने की परम्परा है और उबटन लगाते समय नरकासुर वध की कथा सुनी जाती है।

आंध्र प्रदेश में मान्यता है कि दीपावली के दिन जिन घरों को दीये जलाकर आलोकित नहीं किया जाता, वहां भूत-प्रेतों का डेरा बन जाता है और ऐसे परिवारों के लिए पूरा वर्ष अनिष्टकारी साबित होता है। इस दिन लोग अपने-अपने घरों के बाहर मचान बनाकर उस पर दीये सजाते हैं, जिससे पूरा माहौल दूर से ही दीयों की जगमगाती रोशनी में नहाया नजर आता है। हैदराबाद में दीपावली पर लक्ष्मी पूजन की परम्परा तो निभाई जाती है लेकिन इन दिन यहां का प्रमुख आकर्षण भैंसों की लड़ाई होती है बल्कि यूं भी कहा जा सकता है कि हैदराबाद के लोग भैंसों को लड़ाकर ही दीपावली का त्योहार मनाते हैं। केरल में दीपावली के दिन भगवान श्रीराम का पूजन किया जाता है। इसके अलावा विचित्र बात यह है कि श्रीराम के पूजन के साथ-साथ इस दिन यहां भगवान श्रीकृष्ण का पूजन किए जाने की भी परम्परा देखी जाती है। अरुणाचल प्रदेश में लोग दीपावली से एक दिन पहले रात्रि के समय खुले मैदान में इकट्ठे होते हैं और जुआ खेलते हैं। दीपावली के दिन यहां भी लोग अपने घरों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाते हैं तथा दीपों की कतार से अपने घरों को आलोकित करते हैं। युवक पटाखे चलाते हैं और मिठाइयों का आनन्द लेते हैं।

जागरुकता

दीपावली पर अंधविश्वास की भेंट चढ़ते उल्लू

रोशनी का पर्व दीपावली लोगों के लिए खुशियां लेकर आता है, लेकिन इस पावन त्योहार पर उल्लू अंधविश्वास की भेंट भी चढ़ते हैं। उल्लुओं के संरक्षण के लिए विश्व वन्यजीवन कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ)-भारत ने जागरूकता फैलाने एवं इसके शिकार एवं तस्करी बंद करने की आवश्यकता जताई है। दरअसल, भारत में उल्लुओं के बारे में यह मिथकीय धारणा प्रचलित है कि यदि दीपावली के मौके पर इस पक्षी की बलि दी जाए तो धन-संपदा में वृद्धि होती है। ऐसे में कई लोग इस पावन पर्व पर अपने स्वार्थ के लिए उल्लुओं की बलि देते हैं, जिसके कारण हर साल काफी संख्या में इस परिंदे को जान से हाथ धोना पड़ता है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-भारत के एक नए लेख में कहा गया है, भारत में उल्लू की 36 प्रजातियां पाई जाती हैं और इन सभी को भारत के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत शिकार, कारोबार या किसी प्रकार के उत्पीड़न से संरक्षण प्राप्त है।

लेख में कहा गया है कि कानूनी संरक्षण के बावजूद आमतौर पर यह पाया गया है कि उल्लू की कम से कम 16 प्रजातियों की अवैध तस्करी एवं कारोबार किया जा रहा है। इन प्रजातियों में खलिहानों में पाया जाने वाला उल्लू, ब्राउन फिश उल्लू, ब्राउन हॉक उल्लू, कॉलर वाला उल्लू, काला उल्लू, पूर्वी घास वाला उल्लू, जंगली उल्लू, धब्बेदार उल्लू, पूर्वी एशियाई उल्लू, चितला उल्लू आदि शामिल हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-भारत के अनुसार, प्रत्येक वर्ष इस अजीबोगरीब रिवाज के कारण ग्रामीण इलाकों एवं कस्बों में आस्था एवं अंधविश्वास के कारण उल्लू की बलि चढ़ाने की घटनाएं सामने आती हैं। उल्लू के बारे में गलत धारणा एवं जागरूकता की कमी, इसके अवैध कारोबार की पहचान एवं रोकथाम के लिए कानून अनुपालन एजेंसियों की सीमित क्षमता के कारण अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसमें कहा गया है कि इन कमियों को दूर करने और उल्लू के संरक्षण के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-भारत ने आम लोगों के लिए हिन्दी एवं अंग्रेजी में पोस्टर एवं आईडी कार्ड के रूप में पहचान उपकरण उपलब्ध कराए हैं।

संगठन ने कहा है कि उल्लू हमारे पारिस्थितिकी-तंत्र का बेहद ही महत्वपूर्ण पक्षी है, जो खाद्य-श्रृंखला प्रणाली के तहत जैव विविधता को संतुलित बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शिकारी पक्षी कई हानिकारक कीट-पतंगों एवं टिड्डों को खाकर हमारी फसलों और खाद्यान्नों की सुरक्षा करता है। उल्लू को देवी लक्ष्मी का वाहन कहा गया है।

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-भारत के अनुसार, अंधविश्वास के कारण उल्लू की मांग इतनी अधिक है कि इनके भविष्य पर खतरा उत्पन्न हो गया है। इसमें कहा गया है कि उल्लू के संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाना जरूरी है, क्योंकि अंधविश्वास के कारण ही इसका शिकार एवं तस्करी की जाती है। इस दीपावली पर भारत में उल्लू के बारे में ज्ञान की जीत हो।

राशिफल » पंडित कृष्ण कुमार

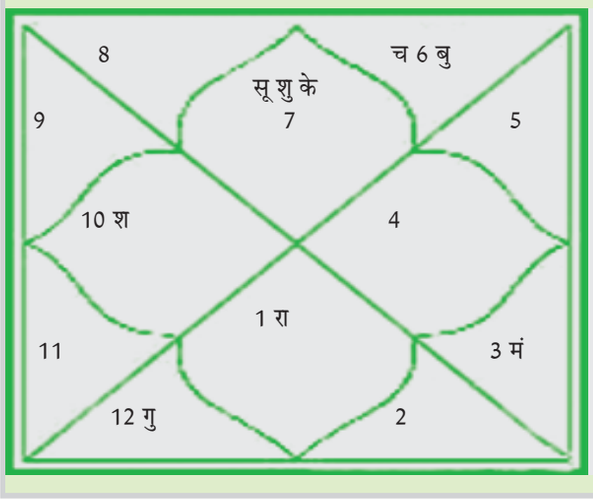

आज का पंचांग

सोमवार तदनुसार कार्तिक मास कृष्ण पक्ष चतुर्दशी शाम के 05 बजकर 27 मिनट तक उसके बाद अमावस्या।
नक्षत्रः हस्त दिन के 02 बजकर 42 मिनट तक उसके बाद चित्रा।
संवत- 2079
शकसंवत- 1944
दिशाशूल- पूर्व
राहुकाल- 07.52 बजे से 09.16 बजे तक

मेष- परिवार का सहयोग बना रहेगा।
वृष - घूमने-फिरने का अवसर प्राप्त होगा।
मिथुन- घरेलू मामलों में तनाव का सामना करना होगा।
कर्क- कार्यों में आ रही बाधाएं समाप्त हो सकती हैं।
सिंह- नई योजनाएं बनेंगी।
कन्या- भाग्य का साथ मिलेगा।
तुला- परिवार में सुख व शान्ति का माहौल।
वृश्चिक- भौतिक संसाधनों पर अत्यधिक व्यय।
धनु- किसी भी कार्य में धीमी प्रगति।
मकर- प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।
कुम्भ- आत्म विश्वास में वृद्धि होगी।
मीन- मित्रों से लाभ होने की सम्भावना।

टी20 विश्व कप

श्रीलंका ने आयरलैंड को नौ विकेट से हराया

एजेंसी ■ होबार्ट

श्रीलंका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कुसाल मेंडिस के नाबाद अर्धशतक की मदद से रविवार को यहां टी20 विश्व कप सुपर 12 मैच में आयरलैंड पर नौ विकेट की जीत दर्ज की। आयरलैंड के टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने लगातार अंतराल पर विकेट झटके जिससे आयरलैंड की टीम कोई बड़ी साझेदारी नहीं कर सकी और आठ विकेट पर 128 रन ही बना सकी। श्रीलंकाई गेंदबाजों में महीश तीक्षणा ने 19 रन देकर और वानिंदु हसारंगा ने 25 रन देकर दो दो विकेट हासिल किए। लाहिरू कुमारा, धनंजय डि सिल्वा, चामिका करूणारत्ने, बिनुरा फर्नांडो ने एक एक विकेट झटके। आयरलैंड के लिए हैरी टेक्टर 42 गेंद में 45 रन (दो चौके, एक छक्का) बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे जबकि पॉल स्टरलिंग ने 25 गेंद में 34 रन (चार चौके और दो छक्के) का योगदान दिया। इस छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका को कोई दबाव महसूस नहीं हुआ। क्वालीफाइंग राउंड के पहले मैच में कमजोर नामीबिया से हारने वाली टीम ने पांच ओवर रहते एक विकेट पर 133 रन बनाकर जीत हासिल की। कुसाल मेंडिस ने 43 गेंद में नाबाद 63 रन बनाए जबकि चरिथ असालंका ने 22 गेंद में नाबाद 31 रन का योगदान किया। धनंजय डिसिल्वा ने भी 25 गेंद में 31 रन की पारी खेली। आयरलैंड की टीम लगातार सातवां विश्व कप खेल रही है लेकिन यह दूसरी बार है जब वह टूर्नामेंट के फाइनल राउंड तक पहुंची है। इससे पहले वह इंग्लैंड में 2009 चरण में सुपर आठ तक पहुंचे थे। मेंडिस और डिसिल्वा ने श्रीलंका को तेज शुरूआत कराई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 50 गेंद में 63 रन की भागीदारी निभाई। डिसिल्वा लेग स्पिनर गेरेथ डेलानी की गेंद पर बल्ला छुआकर स्टंप के पीछे लोकरान टकर को कैच दे बैठे। मेंडिस और असालंका ने फिर टीम को आराम से जीत तक पहुंचाया। इससे पहले आयरलैंड के कप्तान एंडी बालबर्नी का विकेट शुरू में गंवा दिया जिन्हें लाहिरू कुमारा ने बोल्ड किया। लोकरान टकर (10 रन) भी इसी तरीके से आउट हुए। आयरलैंड को सुपर 12 चरण तक पहुंचाने में 66 रन बनाकर अहम भूमिका निभाने वाले स्टरलिंग ने आक्रामक शैली में खेलना शुरू किया लेकिन भानुका राजपक्षे ने डीप एक्सट्रा कवर में शानदार कैच लपका। कर्टिस कैम्फर महज चार गेंद ही टिक सके जिससे आयरलैंड का स्कोर चार विकेट पर 60 रन हो गया। टेक्टर और जॉर्ज डॉकरेल ने पांचवें विकेट के लिए 41 गेंद में 47 रन बनाए जिससे आयरलैंड का स्कोर 100 रन के पार पहुंच गया।

कोविड-19 पॉजिटव आने के बावजूद डॉकरेल (16 गेंद में 14 रन) की पारी जल्द ही समाप्त हो गई। गेरेथ डेलाना (09) और मार्क एडेयर 19वें ओवर में तीन गेंद के अंदर आउट हो गए जिन्हें हसारंगा ने आउट किया।

अमनदीप दूसरे स्थान पर, भारतीय खिलाड़ियों का महिला इंडियन ओपन में शानदार प्रदर्शन

गुरुग्राम। भारतीय गोल्फर अमनदीप द्राल ने चार लाख डॉलर इनामी राशी वाले महिला इंडियन ओपन में रविवार को अपने अभियान को संयुक्त दूसरे स्थान के साथ खत्म किया। अमनदीप के अलावा अदिति अशोक, गौरिका बिश्नोई और वाणी कपूर शीर्ष दस खिलाड़ियों में जगह बनाने में सफल रही। अमनदीप रविवार को खिताब के दौड़ में बनी हुई थी लेकिन ओलिविया कोवन ने चार अंडर 68 का शानदार कार्ड खेलकर खिताब जीता। जर्मनी की इस 26 साल की खिलाड़ी का एलईटी (लेडीज यूरोपीय टूर) पर यह पहला खिताब है। उनका कुल स्कोर 13 अंडर 275 रहा। अमनदीप ने चौथे दौर में 72 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर 10 अंडर का रहा। उन्होंने दूसरा स्थान कारौलिन हेडवाल (71) के साथ साझा किया। अनुभवी अदिति (71) सात अंडर 281 के स्कोर के साथ चौथे जबकि गौरिका (73) चार अंडर 284 के स्कोर के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रही। वाणी ने आखिरी दौर में अच्छा प्रदर्शन किया और 69 के कार्ड के साथ अपने कुल स्कोर को तीन अंडर 285 तक पहुचा कर आठवां स्थान हासिल किया।

किंग कोहली ने दिया दिवाली का तोहफा, पाकिस्तान पर चार विकेट से रोमांचक जीत

एजेंसी ■ मेलबर्न

पल पल बदलते मैच के समीकरण , हर गेंद पर तनाव और सरहद के आर पार थमी हुई सांसें। आखिरकर विराट कोहली का बल्ला शाहीन शाह अफरीदी एंड कंपनी पर भारी पड़ा और उन्होंने टी20 विश्व कप के पहले मैच में पाकिस्तान पर भारत को चार विकेट से रोमांचक जीत दिलाकर देश को दीवाली का यादगार तोहफा दिया। जीत के लिए 160 रन के लक्ष्य के जवाब में भारत की शुरूआत बेहद खराब रही लेकिन कोहली ने अकेले किला लड़ाते हुए 53 गेंद में छह चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 82 रन की आतिशी पारी खेलकर दीवाली से एक दिन पहले ही पूरे भारत में जश्न की शुरूआत कर दी। भारतीय टीम को आखिरी दो ओवरों में 31 रन की जरूरत थी। हारिस रऊफ के डाले 19वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर कोहली ने दो छक्के लगाए जिससे आखिरी ओवर में लक्ष्य 16 रन का रह गया। पहली ही गेंद पर हार्दिक पंड्या को मोहम्मद नवाज ने आउट कर दिया। दूसरी गेंद पर दिनेश कार्तिक ने एक और तीसरी गेंद पर कोहली ने दो रन निकाले। चौथी गेंद नोबॉल रही जिस पर कोहली ने छक्का जड़ दिया। अब तीन गेंद में छह रन चाहिए थे। अगली गेंद वाइड रही जिसके बाद बाई के तीन रन बने लेकिन पांचवीं गेंद पर कार्तिक आउट हो गए। आखिरी गेंद पर एक रन लेकर आर अश्विन ने टीम को जीत दिलाई। इससे पहले भारत की शुरूआत बेहद खराब रही और सातवें ओवर में 31 रन के स्कोर पर उसके चार बल्लेबाज पवेलियन में थे। के एल राहुल और रोहित शर्मा क्रमशः चार चार रन बनाकर नसीम शाह और रऊफ का शिकार हुए। भारत के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव (15) को भी रऊफ ने पवेलियन भेजा जबकि अक्षर पटेल दो रन बनाकर रन आउट हो गए।पंड्या ने 37 गेंद में 40 रन की धीमी पारी खेली लेकिन कोहली के साथ 113 रन की साझेदारी की। पाकिस्तान के नंबर एक तेज गेंदबाज शाहीन शाह ने आठ ओवर में 34 रन दिए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिली। इससे पहले अर्शदीप सिंह और पंड्या की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर भारत ने पाकिस्तान को आठ विकेट पर 159 रन पर रोक दिया। अर्शदीप ने चार ओवर में 32 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने पहले दो ओवर में ही पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम (0) और मोहम्मद रिजवान (चार) को आउट करके भारत को शानदार शुरूआत दिलाई। इसके बाद एशिया कप में जबर्दस्त प्रदर्शन करने वाले पंड्या ने 30 रन देकर तीन विकेट लिए। पाकिस्तान के लिए इफ्तिखार अहमद ने 51 रन बनाए और भारतीय गेंदबाजों के सामने बिल्कुल सहज दिखे। स्पिनर आर अश्विन और अक्षर पटेल जूझते नजर आए लिहाजा छठे गेंदबाज पंड्या ने चार ओवर डाले। शान मसूद ने 42 गेंद में 52 रन बनाए लेकिन वह सहज नहीं दिखे। इससे 364 दिन पहले बाबर और रिजवान ने भारतीय गेंदबाजी को धता बताते हुए टी20 मैच में पाकिस्तान को भारत के खिलाफ सबसे बड़ी जीत दिलाई थी। पिछले कुछ दिन से बारिश के कारण एमसीजी की पिच कवर के भीतर थी और इसमें अभी भी नमी है और ऐसे में तेज गेंदबाजों को पिच से काफी मदद मिल रही है। भुवनेश्वर कुमार और अर्शदीप ने इसका पूरा फायदा उठाया। दोनों ने 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की। पहले ओवर में भुवनेश्वर ने पाकिस्तानी बल्लेबाजों को हाथ नहीं खोलने दिए। वहीं अर्शदीप ने दूसरे ओवर की पहली ही गेंद पर बाबर को पगबाधा आउट किया। रिजवान भी चार रन बनाकर अर्शदीप की शॉर्ट गेंद का शिकार हुए जिनका कैच फाइन लेग सीमा के पास भुवनेश्वर ने लपका। फखर जमां के अंतिम एकादश में नहीं होने के कारण मसूद का काम पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाना था।

इस एहसास को बयां करने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं : विराट कोहली

एजेंसी ■ मेलबर्न

पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप के शुरूआती मैच में 53 गेंद में छह चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 82 रन की आतिशी पारी खेलकर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले विराट कोहली ने इसे खेल के सबसे छोटे प्रारूप की अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी करार देते हुए कहा कि इस एहसास को बयां करने के लिए उनके पास शब्दों की कमी है। जीत के लिए 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सातवें ओवर में 31 रन के स्कोर पर उसके चार बल्लेबाज पवेलियन में थे। के एल राहुल और रोहित शर्मा क्रमशः चार चार रन बनाकर जबकि सूर्यकुमार यादव 15 और अक्षर पटेल दो रन बनाकर आउट हो गए थे। कोहली ने इसके बाद हार्दिक पंड्या (37 गेंद में 40 रन) के साथ शतकीय साझेदारी कर मैच में टीम की वापसी कराई। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल करने के बाद कोहली ने कहा, यह अद्भुत माहौल है। आज के एहसास को बयां करने के लिए मेरे पास शायद शब्द नहीं है। कोहली से जब पूछा गया कि उन्होंने रन गति को तेज करने के बारे में कब सोचा था तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शाहीन (अफरीदी) जब पवेलियन छोर से गेंदबाजी के लिए आया तो मैंने हार्दिक से कहा कि हमें इस ओवर में अधिक रन बनाने होंगे।

उन्होंने कहा, (मोहम्मद) नवाज का एक ओवर बाकी था, ऐसे मैंने कहा कि अगर मैं हारिस (रउफ) के खिलाफ रन बना सका तो उन पर दबाव बनेगा। भारत के इस पूर्व कप्तान ने क्रीज पर हार्दिक के साथ को शानदार करार देते हुए कहा, हार्दिक ने मुझे भरोसा रखने के लिए कहा था। उसने कहा था कि अगर हम आखिर तक रहे तो मैच जीतेंगे। (मोहम्मद) नवाज का एक ओवर बाकी है और उस में रन बन सकते हैं। लंबे समय तक लय से दूर रहने के कारण आलोचना का सामना करने वाले कोहली ने भावुक होकर कहा, यह बहुत ही विशेष पल है। मैं पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में खेली गई अपनी पारी को इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ मानता था लेकिन अब शायद मैं कहूंगा कि यह मेरी सबसे बेहतरीन पारी है। किंग कोहली ने कहा, उस मैच में मैंने 52 (51) गेंद में 82 रन (नाबाद) की पारी खेली थी और आज 53 गेंद में 82 रन (नाबाद) बनाए। कोहली ने यहां 2016 टी20 विश्व कप का जिक्र किया जिसमें उनकी पारी से भारत ने जीत के लिए 161 रन के लक्ष्य को चार विकेट गंवाकर हासिल किया था। उन्होंने भावुक होकर प्रशंसकों का शुक्रिया करते हुए कहा, मैं यहां पर मौजूद सभी दर्शकों का धन्यवाद कहना चाहूंगा। मैं जब संघर्ष कर रहा था तब यही वह लोग थे जो मेरे साथ थे। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी इसे कोहली की सर्वश्रेष्ठ पारी करार दिया। रोहित ने कहा, विराट को सलाम। यह भारत के लिए उनके द्वारा खेली गई सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है। कप्तान ने कहा, इस पारी की तारीफ करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। हम हमेशा यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि हम मैच में बने रहे। हम इसके बारे में लगातार बात कर रहे हैं। स्थिति चाहे जो भी हो, आपको विश्वास होना चाहिए कि आप आगे बढ़ सकते हैं, और उस साझेदारी ने हमारे लिए खेल बदल दिया। रोहित ने कहा, पिच पर गेंदबाजों के लिए बहुत मदद थी। हमारे गेंदबाजों ने उसका अच्छा इस्तेमाल किया। पाकिस्तान के मध्यक्रम ने बढ़िया बल्लेबाजी की और हमें पता था कि यह लक्ष्य आसान नहीं होगा। रोहित ने कहा कि शुरुआती ओवरों में विकेट गंवाने के बाद भी कोहली और हार्दिक पर भरोसा था।

जानता था कि स्पिन बड़ी भूमिका निभाएगी : शनाका

होबार्ट। श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका ने रविवार को टी20 विश्व कप मैच में आयरलैंड मिली नौ विकेट की जीत का श्रेय स्पिनरों को देते हुए कहा कि डेथ ओवरों में स्पिन विकल्प रखना कारगर रहा। श्रीलंका की महीश तीक्षणा (19 रन देकर दो विकेट) और वानिंदु हसारंगा (25 रन देकर दो विकेट) की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया जिससे आयरलैंड की टीम आठ विकेट पर 128 रन ही बना सकी। शनाका ने मैच के बाद कहा, जिस तरह से हम मैच खेले, उससे बहुत खुश हूं। हम जानते थे कि स्पिन बड़ी भूमिका निभाएगा, इसलिए हमने अंत की ओर काफी स्पिन गेंदबाजी कराई। कुसाल मेंडिस ने 43 गेंद में 68 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली जिससे श्रीलंका ने आसानी से जीत दर्ज की। शनाका ने कहा, वह इस साल निरंतर रहा है, वह ज्यादातर समय परिस्थितियों के हिसाब से खेलना है। उसमें काफी सुधार हुआ है। यही निरंतरता की श्रीलंका को लंबे समय से जरूरत थी। उन्होंने कहा, डेथ ओवर में गेंदबाजी हमारी अहम चीज है और शुरूआत ही महत्वपूर्ण है। हमने काफी अच्छा काम किया। इसी आत्मविश्वास से आगे बढ़ना जारी रखेंगे। आयरलैंड के कप्तान एड्रयू बालबर्नी टीम के बल्लेबाजी प्रयास से निराश थे। उन्होंने कहा, हम जानते थे कि वे खतरा होंगे। इसमें स्पिन ही नहीं बल्कि स्टंप और बल्ले से काफी चुनौतियां थी। हम 160 रन के करीब बनाना चाहते थे। हम जानते थे कि वे खतरा होंगे लेकिन आपको पहले या फिर दूसरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी करनी ही पड़ेगी। श्रीलंका मंगलवार को पर्थ में आस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

एक नजर

जोहोर कप में दक्षिण अफ्रीका से हारी भारतीय जूनियर टीम

जोहोर। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को 10वें सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में अच्छी शुरुआत के बावजूद रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका से 4-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने पहले दो क्वार्टर में ही 3-1 से बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन इसके बाद वह लय बरकरार नहीं रख पाए। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे और चौथे क्वार्टर में दो-दो गोल करके शानदार वापसी की। भारत के लिए शारदा नंद तिवारी ने दो (नौवें और दसवें मिनट) जबकि कप्तान उत्तम सिंह (17वें) और सुदीप चिरमाको (45 वें) ने एक एक गोल किया। दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्विन सिमंस (सातवें), फ्वाज कादर (34वें), सेंजवेसिहले न्गुबाने (35वें) और कैमरून ले फॉरेस्टियर (49वें और 57वें) ने गोल किए। भारत अपना तीसरा मैच 25 अक्टूबर को जापान से खेलेगा।

मालविका और कौशल को सीनियर बैडमिंटन का खिताब

पुणे। शीर्ष वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड़ ने रविवार को यहां वीवी नाटू मेमोरियल अखिल भारतीय सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता जबकि गैर वरीयता प्राप्त कौशल धर्ममेर ने पुरुषों का खिताब अपने नाम किया। बंसोड़ ने पहला गेम गंवाने के बाद एक घंटे तीन मिनट तक चले रोमांचक फाइनल में अदिता राव को 13-21, 21-17, 22-20 से शिकस्त दी। कौशल ने पुरुष एकल के फाइनल में रोहन गुरबानी को 21-10, 21-16 से हराया। इस बीच खुशी गुप्ता ने महिला युगल और मिश्रित युगल में चैंपियन बनकर दो खिताब अपने नाम किए। खुशी और सिद्धार्थ एलंगो ने अरविंद सुरेश और पवित्रा नवीन की जोड़ी को 21-19, 21-15 से हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता। खुशी और प्रिया देवी कोन्जेंगबाम ने महिला युगल के फाइनल में शिखा गौतम और पूर्विशा राम को 21-16, 17-21, 21-12 से हराया। पुरुष युगल के फाइनल मेंहरिहरन अम्सकरुनन और रुबन कुमार ने विप्लव कुवाले और विराज कुवाले को 21-18, 21-16 से पराजित किया।

कमिंस की जगह रिचर्डसन को खेलना चाहिए : डाउल

सिडनी। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने साइमन डाउल का मानना है कि टी20 विश्व कप में पैट कमिंस की जगह केन रिचर्डसन को आस्ट्रेलियाई टीम में चुना जाना चाहिए जो विविधता प्रदान करते हैं। कमिंस और मिशेल स्टार्क दोनों न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में बेअसर रहे। आस्ट्रेलिया को पहले ही मैच में 89 रन से पराजय झेलनी पड़ी। डाउल ने डिजिटल डेली से कहा , मुझे लगता है कि आस्ट्रेलियाई टीम चिंतित होगी। उनकी गेंदबाजी चिंता का सबब है। मेरा मानना है कि टी20 टीम में कमिंस को नहीं होना चाहिए।

क्रिकेट

मैदान में मौजूद 90,293 लोगों में कम से कम 60,000 भारतीय थे

भारत-पाक के क्रिकेट प्रेमियों ने एमसीजी पर जमाया रंग

एजेंसी ■ मेलबर्न

भारत और पाकिस्तान के मैच के दौरान अगर आपने जोहानिसबर्ग, मीरपुर, कोलंबो, कोलकाता, बर्मिंघम, एडिलेड, लंदन और मैनचेस्टर में जन गण मन सुना है, तो आप इस बात को मानेंगे कि रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में माहौल कुछ अलग तरह का था। मैदान में मौजूद 90,293 लोगों में कम से कम 60,000 भारतीय थे और जय हो जय हो ने ऐसा माहौल बनाया जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। ऐसे माहौल में कोई भी भावुक हो सकता है फिर चाहे वह भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ही क्यों न हो जिनके चेहरे पर भावनाओं का उबाल साफ दिख रहा था। कोलकाता के रहने वाले समिरन चौधरी ने कहा, मैं बैंकॉक में अपना पहला रेस्टोरेंट खोलने जा रहा हूं तथा यात्रा से जुड़ी दिक्कतों के कारण काफी दबाव था। मेरा वीजा एक बार रद्द कर दिया गया था और मैंने फिर से आवेदन किया और दूसरी बात मुझे वीजा मिल गया। मैंने मैच के दिन यहां पहुंचने के लिए एक तरफ का हवाई टिकट एक लाख रुपए में खरीदा। उनके मित्र दीपांजन घोष को ऐसा कोई तनाव नहीं था क्योंकि वह पिछले 12 वर्षों से मेलबर्न में ही रहते हैं। उन्होंने कहा, एमसीजी पर भारत का किसी भी प्रारूप में मैच हो मैंने कभी उसे नहीं छोड़ा। मैंने एशेज की मैच भी देखे लेकिन ऐसा माहौल कभी नहीं देखा। पाकिस्तान के दो समर्थक अब्बास और अजान सिडनी से यहां आए थे और वह पाकिस्तान के प्रत्एक मैच में उपस्थित रहना चाहते हैं। असल में सुबह से ही मेलबर्न शहर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले के रंग में रंगा था। मशहूर फेडरेशन स्क्वायर के पास भारत और पाकिस्तान के प्रशंसक साथ में नाच रहे थे। शोर निश्चित डेसीबल के आंकड़े को पार कर रहा था लेकिन इसकी किसी को चिंता नहीं थी। एक सरदार जी ने जोर से नारा लगाया गणपति बप्पा मोरिया और उनके साथ बाकी भारतीयों ने भी स्वर में स्वर मिलाया। ब्रिटेन से आए कुछ दर्शकों ने साधुओं जैसे कपड़े पहन रखे थे। एक उत्साही भारतीय पत्रकार ने एक बुजुर्ग व्यक्ति से पूछा, बाबाजी क्या आप भारतीय टीम को आशीर्वाद देंगे। दर्शकों के बीच सबसे अच्छी बात यह रही कि उन्होंने किसी तरह का आक्रामक रवैया नहीं दिखाया और खेल के हर पल आनंद लिया।

आयरलैंड के ऑलराउंडर डॉकरेल कोविड पॉजिटिव होने के बावजूद खेले

एजेंसी ■ होबार्ट

आयरलैंड के आल राउंडर जार्ज डॉकरेल रविवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ टी20 विश्व कप सुपर 12 मैच से पहले संभावित पॉजिटिव पाए गए। यह टूर्नामेंट का पहला पॉजिटिव मामला है। लेकिन कोविड-19 पॉजिटिव आने के बावजूद डॉकरेल श्रीलंका के खिलाफ मैदान पर उतरे और उन्होंने 16 गेंद में 14 रन बनाए। क्रिकेट आयरलैंड ने पुष्टि की कि डॉकरेल को संभावित पॉजिटिव पाया गया है। साथ ही बोर्ड ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और राष्ट्रीय अधिकारियों के दिशानिर्देशों के अनुसार ही उन्हें रखा जा रहा है। मौजूदा नियमों के अनुसार पॉजिटिव आने के बावजूद खिलाड़ी को यहां खेले जा रहे टी20 विश्व कप या अपने साथियों के साथ ट्रेनिंग करने से नहीं रोका जा सकता है। हालांकि पॉजिटिव खिलाड़ी के मैच और ट्रेनिंग दिनों में अलग से यात्रा करने की जरूरत होती है। टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट टी20वर्ल्डकप डॉट कॉम के रिपोर्ट के अनुसार, डॉकरेल के लक्षण हल्के हैं, हालांकि टीम के मेडिकल स्टाफ ने टूर्नामेंट और सरकार के प्रोटोकॉल के अनुसार ही काम किया है। आईसीसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रतिद्वंद्वी टीम और स्टेडियम स्टाफ को हालात के बारे में सूचित कर दिया गया है।

आईआरसीटीसी की सराहनीय पहल

अब मासिक किस्तों पर भुगतान करके चार ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करें

7 रात और 8 दिन के पैकेज का शुल्क 15, 210 रुपए निर्धारित, इसके साथ ही नाश्ता और भोजन की भी व्यवस्था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शिव भक्तों के लिए एक अच्छी खबर है। रेलवे 36 और 24 महीने के समान मासिक किस्त (ईएमआई) पर चार ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कराने जा रहा है। इस यात्रा की योजना इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन ने बना ली है। इसके लिए चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन से दो दिसंबर को स्वदेश यात्रा ट्रेन रवाना होगी, जो यात्री टिकट का भुगतान एक साथ नहीं कर सकते वह हर महीने किस्तों में पैसा दे सकते हैं। 36 महीने की ईएमआई के लिए 530 और 24 माह की ईएमआई के लिए 745 रुपए का भुगतान करना होगा।

अलग खबर

8 दिन की यात्रा तय, धर्मशालाओं में ठहरने की व्यवस्था शामिल

आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक एमपीएस राघव ने बताया कि यह यात्रा आठ दिन की है। दो दिसंबर को ट्रेन जालंधर सिटी, चंडीगढ़, अंबाला, दिल्ली सफरदगंज/दिल्ली कैंट के रास्ते होते हुए ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कराएगी। वापसी 9 दिसंबर को होगी। आईआरसीटीसी के प्रवक्ता शुभम आर्या ने बताया कि 7 रात और 8 दिन के पैकेज का शुल्क 15210 रुपए है। इसके तहत महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, साबरमती, द्वारिका और सोमनाथ मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। पैकेज में यात्रा के दौरान नाश्ता, दोपहर और रात का शाकाहारी भोजन, स्थानीय यात्रा बस से और धर्मशालाओं में ठहरने की व्यवस्था शामिल है।

रेलवे के डॉक्टर करेंगे उपचार

स्वदेश दर्शन ट्रेन में अगर किसी यात्री के साथ पांच साल तक का बच्चा है तो उसकी यात्रा फ्री होगी। ट्रेन में 12 स्लीपर कोच लगेंगे, जिसमें 804 यात्री सफर कर सकेंगे। प्रत्येक कोच में एक सिक्योरिटी गार्ड, कोच मैनेजर और हाउस किपिंग की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा ट्रेन में यात्रियों की तबीयत खराब होने पर प्राथमिक उपचार की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। ज्यादा तबीयत बिगड़ने पर रेलवे के डॉक्टर बुलाए जाएंगे जिसका खर्च यात्रियों को देना होगा।

वेबसाइट पर भी बुकिंग की सुविधा

यात्रा के लिए इच्छुक व्यक्ति आईआरसीटीसी के चंडीगढ़ सेक्टर-34 ए स्थित कार्यालय (एससीओ 80-82 थर्ड फ्लोर) से टिकट बुक करा सकते हैं। इसके अलावा आईआरसीटीसी की बेवसाइट से ऑनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है।

खबर संक्षेप

राज्यपाल खान ने 9 वीसी से मांगा इस्तीफा

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए केरल में 9 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को इस्तीफा देने का निर्देश दिया है। राज्यपाल ने आदेश दिया है कि इस्तीफे सोमवार दोपहर साढ़े ग्यारह बजे तक उनतक पहुंच जाने चाहिए। इस आदेश से सरकार और विवि में विवाद बढ़ गया है।

तेलंगाना पहुंची कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा'

हैदराबाद। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की 'भारत जोड़ो यात्रा' ने कर्नाटक चरण पूरा करने के बाद रविवार को तेलंगाना में प्रवेश किया। पदयात्रा के राज्य में प्रवेश करने पर कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के नेताओं ने तेलंगाना-कर्नाटक सीमा पर गांधी का स्वागत किया। राज्य इकाई के अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी और नेताओं ने गांधी का स्वागत किया।

युवक ने बनाया 40 टन वजन ले जाने वाला ट्रेलर

मराठवाड़ा। महाराष्ट्र में मराठवाड़ा के 23 वर्षीय एक युवक ने ईंधन की कम खपत वाले एक ऐसे ट्रेलर का निर्माण किया है जो ट्रैक्टर से जोड़ देने पर 40 टन वजन तक सामान ले जा सकता है। आमतौर पर ट्रैक्टरों से जुड़े ट्रेलरों में दो पहिए होते हैं और वे 25 टन वजन ले जा सकते हैं। अक्षय चव्हाण ने चार पहिए वाले ट्रेलर का निर्माण किया है।

असम में कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 4% बढ़ा

गुवाहाटी। दिवाली सीजन में असम सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है. राज्य के सरकारी कर्मचारियों के वेतन में महंगाई भत्ते की बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने महंगाई भत्ते में 4 प्रतिशत का इजाफा किया है। यह महंगाई भत्ता 1 जुलाई 2022 से लागू किया जाएगा। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, मुझे इससे खुशी हो रही है।

हिमाचल में बागियों को मनाएंगे मंत्री अनुराग

शिमला। हिमाचल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने टिकटें तो बांट दीं, लेकिन उसके बाद शुरू बगावत ने नींद उड़ा दी है। इन्हें मनाने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। भाजपा ने नाराज और बागी होने जा रहे नेताओं को मनाने का काम केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, सीएम जयराम ठाकुर, सुरेश कश्यप और अविनाश राय खन्ना को सौंपा गया है।

दीपोत्सव से पहले पीएम मोदी ने की रामलला की विशेष पूजा

राजनीति की शुरुआत से ही राम मंदिर आंदोलन से जुड़ा था मोदी का बड़ा नाता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पहली बार 25 सितंबर 1990 में गए थे, तब केवल भाजपा के महासचिव थे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दीपावली पूर्व संध्या यानी छोटी दीपावली पर श्री रामलला विराजमान की पूजा अर्चना की। जिसके बाद वो अयोध्या के दीपोत्सव में शामिल हुए। पिछले चार वर्षों से अयोध्या में दीपोत्सव मनाया जा रहा है। ये छठां दीपोत्सव है जो बेहद खास होने वाला है। इस उत्सव में पीएम मोदी पहली बार शामिल हुए हैं। अयोध्या और राम मंदिर से पीएम मोदी का उस वक्त से जुड़ाव रहा है जब उन्होंने राजनाति की शुरुआत की थी । 500 वर्ष तक चले राम मंदिर आंदोलन से पीएम मोदी उस वक्त से जुड़े रहे जब उन्होंने राजनीति की शुरुआत की थी। नरेंद्र मोदी 25 सितंबर 1990 को अयोध्या आए थे। लेकिन ये उनकी एक व्यक्तिगत यात्रा थी। तब वे भाजपा के महासचिव थे और गुजरात के चुनावी अभियान में भाजपा के प्रमुख नेता थे। पीएम मोदी के जीवन से जुड़े अहम पहलुओं को दर्शाने वाले ट्विटर अकाउंट पर की गई एक पोस्ट के अनुसार पीएम ने अयोध्या राम जन्मभूमि पर राम मंदिर निर्माण का संकल्प लिया था। कुछ दिन पहले पीएम मोदी ने भाजपा जम्मू-कश्मीर के लेटरहेड पर भगवान राम को समर्पित एक कविता भी लिखी थी।

छठे दीपोत्सव के लिए दुल्हन-सी सजी अयोध्या

अयोध्या के पांचवे दीपोत्सव में पीएम मोदी की उपस्थिति खास बना रही है। राम नगरी की प्रवेश द्वार यानी राम की पैड़ी इस बार 17 लाख दीये लगाए गए। इसके लिए 25 हजार से अधिक वॉलंटियर्स की तैनाती पैड़ी के घाटों पर की गई। कुल मिलाकर राम की पैड़ी, भजन स्थल, रामकथा पार्क, सरयू घाट अयोध्या के इस ग्रांड इवेंट के लिए इस तरह तैयार हैं रामनगरी प्रवेश द्वार का हर एक कोना जगमगा उठेगा।

राम जन्मभूमि परिसर में बनेगा उनके सखा निषादराज का मंदिर

अयोध्या धाम के राम जन्मभूमि परिसर में भगवान श्री राम के सखा निषादराज का मंदिर बनाए जाने के प्रस्ताव पर निषाद समुदाय में खुशी का माहौल है। महाराजा निषादराज संस्था के जिला अध्यक्ष संतोष निषाद ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को धन्यवाद दिया और कहा कि ट्रस्ट बधाई का पात्र है कि उसने राम जन्मभूमि रिसर में निषादराज का मंदिर बनाने का प्रस्ताव रखा है। संतोष निषाद ने कहा कि इससे पहले भी निषाद समुदाय की मांग रही है कि अयोध्या धाम के टेढ़ी बाजार चौराहे को निषादराज चौराहे के नाम से कर दिया जाए और चौराहे पर ही निषादराज की एक भव्य प्रतिमा पर लगाई जाए। उन्होंने कहा कि निषादराज भगवान श्री राम के सखा थे इसलिए उनको सम्मान मिलना चाहिए। दरअसल श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम जन्मभूमि परिसर में रामलला मंदिर के साथ-साथ निषादराज मंदिर समेत सात मंदिर बनाए जाने का प्रस्ताव रखा है।

विदेशों में सनातन संस्कृति का प्रसार

वर्ष 1998 में मॉरीशस ने मोका में 'अंतरराष्ट्रीय रामायण सम्मेलन' की मेजबानी की, जहां मोदी को आमंत्रित किया गया था। मोदी ने भगवान राम के जीवन के बारे में बात की, जो वहां उपस्थित लोगों पर एक अमिट छाप छोड़ गई। वहीं अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार अयोध्या में राम मंदिर में आधे से अधिक काम पूरा होने के साथ मोदी मंदिर स्थल के निर्माण का भी निरीक्षण करेंगे और बाद में भगवान राम का प्रतीकात्मक राज्याभिषेक करेंगे।

दीपोत्सव में पहली बार पीएम मोदी

पीएम मोदी की अयोध्या दीपोत्सव में पहली बार मौजूदगी इस ग्रांड इवेंट को बेहद खास बन गई है। राम मंदिर की आधारशिला रखने के बाद ये पहला मौका है जब पीएम मोदी अयोध्या आए। इसको लेकर अयोध्यावासियों संत समाज में खुशी और उत्साह दिखा।

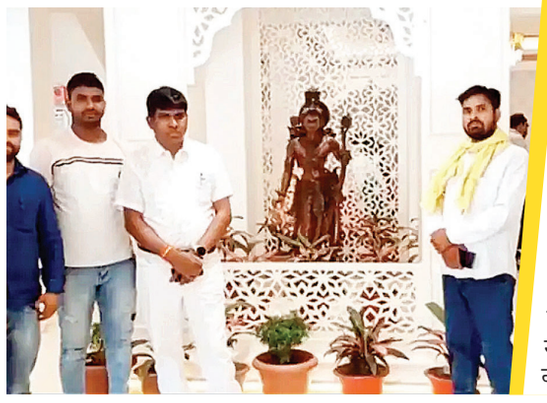

रंग-बिरंगी लाइटों से अयोध्या

भव्य लेजर शो के जरिए रामकथा का किया मंचन

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

छोटी दिवाली के दिन अयोध्या में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान लेजर शो ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दीपोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने करीब 26 मिनट तक लेजर शो का आनंद लिया। लेजर शो के माध्यम से रामकथा का मंचन किया गया। इस दौरान रंग बिरंगी लाइटों ने कार्यक्रम को और भी भव्य बना दिया। लेजर शो के जरिए विदेशों से आए कालकारों ने रामकथा का मंचन किया। श्रीराम का जीवन चरित्र शो के जरिए प्रस्तुत किया गया। अयोध्या में रविवार को कभी न भूलने वाला दृश्य देखने को मिला। दीपोत्सव समारोह में पीएम मोदी के साथ सीएम योगी भी मौजूद रहे। अयोध्या रविवार को 15.76 लाख दीयों से जगमगा उठी। राम नगरी ने बड़ी संख्या में दीये जलाकर अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। 22 हजार से ज्यादा वॉलंटियर्स ने पांच दिन की कड़ी मेहनत के बाद राम की पैड़ी के साथ ही पूरे अयोध्या को दीयों से रोशन कर दिया।

15 .76 लाख दीयों से जगमगाई अयोध्या।

कर्नाटक में महिला ने दी सफाई

मंत्री ने थप्पड़ नहीं मारा... उन्होंने मुझे सांत्वना दी

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के आवास मंत्री वी सोमन्ना एक महिला को थप्पड़ जड़कर विवादों में हैं। बताया जा रहा है कि महिला मंत्री के पास शिकायत के समाधान के लिए गुहार लगा रही थी। इस दौरान उन्होंने महिला को थप्पड़ जड़ दिया। बाद में मंत्री के पैरों पर गिर गई। सीएम बसवराज बोम्मई ने भी उनसे इस मामले में सफाई मांगी है। महिला ने बताया है कि मंत्रीजी ने उन्हें थप्पड़ नहीं मारा बल्कि सांत्वना दी। महिला ने कहा, मैं आवास की मदद मांगने गई थी।

विवाद के बाद पैरंट्स से चंदा वसूलने का नियम वापस

प्राइमरी और हाई स्कूल के प्रबंधन के लिए पैरंट्स पर चंदा देने का नियम कर्नाटक सराकार ने वापस ले लिया है। सरकार ने पैरंट्स से हर महीने स्कूल के विकास के नाम पर 100 रुपए वसूलने का नियम लागू किया था। हालांकि विपक्ष और लोगों की आलोचना के बाद इस फैसले को वापस ले लिया गया। यह नियम 20 अक्टूबर को लागू किया गया था।

मौसम विभाग ने की पुष्टि

दक्षिण-पश्चिम मानसून गया इस साल अधिक रही बारिश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत से दक्षिण पश्चिम मानसून की वापसी हो चुकी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को इसकी जानकारी दी। मौसम विभाग ने कहा कि दक्षिण पश्चिम मानसून के कारण इस साल अधिक बारिश हुई। आईएमडी ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से दक्षिण-पश्चिम मानसून 29 सितंबर को ही वापस चला गया था। आईएमडी के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश सामान्य से 6 फीसदी अधिक थी।

सामान्य से 6 फीसदी ज्यादा बरसे बदरा

आईएमडी के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश सामान्य से 6 फीसदी अधिक थी। मौसम विभाग ने आगे बताया कि अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरे उत्तर-पश्चिम भारत, उत्तर भारत और गंगा के मैदानों के कई हिस्सों से वापस आ जाता है। लेकिन, इस साल बारिश लगातार होती रही और यह दो-दो चक्रवाती हवाओं से जुड़ी रही।

रेत कलाकार सुदर्शन का प्रदर्शन

पुरी। रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने रविवार को पुरी समुद्र तट पर काली पूजा और दिवाली की पूर्व संध्या पर देवी काली की एक खूबसूरत मूर्ति बनाई।

हैरानी... इस सूची में दिल्ली का नाम नहीं

एशिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में 8 भारत के

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सर्दियों की अभी शुरूआत ही हुई है कि पॉलुशन बढ़ना शुरू हो गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली में सुबह आठ बजे शहर में एक्यूआई 247 दर्ज किया गया। दिल्ली एनसीआर सहित भारत के कई हिस्सों में लोग धुंध का सामना कर रहे है।

वर्ल्ड एक्यूआई पर मौजूद नए आंकड़ों के अनुसार एशिया के सबसे 10 प्रदूषित शहरों में 8 भारत के हैं, जबकि केवल आंध्र प्रदेश का शहर राजामहेंद्रवरम बेस्ट टॉप 10 में शामिल हुआ है।

2007 में शुरू हुआ था वर्ल्ड एक्यूआई

वर्ल्ड एक्यूआई लेवल को 2007 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य नागरिकों के लिए वायु प्रदूषण जागरूकता को बढ़ावा देना है। एयर क्वालिटी और अनुसंधान प्रणाली (सफर) के विशेषज्ञ ने बताया कि सर्दियों में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है क्योंकि ठंडी हवा प्रदूषकों को पृथ्वी की सतह के पास फंसा लेती हैं। रात के तापमान का भी वायु प्रदूषण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

गुरुग्राम और लखनऊ भी इस सूची में

गुरुग्राम टर -51 में एक्यूआई लेवल 679 तक पहुंच गया जो कि सबसे ज्यादा है। रेवाड़ी और मुजफ्फरपुर के पास धारूहेड़ा शहर एक्यूआई 316 है। दिल्ली इस लिस्ट से बाहर होने में कामयाब रही है। लखनऊ (298), डीआरसीसी आनंदपुर, बेगूसराय (एक्यूआई 269), कल्याण (एक्यूआई 256), दर्शन नगर, छपरा (एक्यूआई 239) भी सूची में हैं। चीन के लुझोउ में शियाओशिशांग बंदरगाह (एक्यूआई 262) और मंगोलिया के उलानबटार भी इस सूची में हैं।

बच्चों और प्रेग्नेंट वुमेन को नुकसान

सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के परियोजना निदेशक डॉ बी एस मूर्ति के हवाले से बताया कि नवंबर में जैसे ही मौसम बदलता है वैसे ही वायुमंडलीय स्थितियां उलट जाती हैं। ठंडी हवा के ऊपर गर्म हवा हवा के ऊर्ध्वाधर मिश्रण को रोकती हैं। ठंडी हवा प्रदूषकों को सतह के पास फंसा लेती है जिससे प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण नवजात शिशुओं बच्चों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

आरएसएस के इंद्रेश का संदेश

हजरत निजामुद्दीन दरगाह में जलाए दीये, मतभेदों को मिटाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार ने शनिवार को नई दिल्ली में स्थित हजरत निजामुद्दीन दरगाह का दौरा किया। इस दौरान इंद्रेश ने दिवाली से पहले दरगाह परिसर के अंदर मिट्टी के दीये भी जलाए। साथ ही आरएसएस की मुस्लिम शाखा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने देश में शांति और समृद्धि का आह्वान किया।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक और आरएसएस के इंद्रेश कुमार का निजामुद्दीन दरगाह परिसर के अंदर 'मिट्टी के दीये' जलाना, देश में शांति, समृद्धि और सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश देता है। इंद्रेश कुमार ने कहा कि दीपावली का त्योहार भारत सहित दुनिया में मनाया जाता है। यह हर घर में सुख और समृद्धि लाता है। यह त्योहार सभी धार्मिक मतभेदों और प्रांतों के बीच के मतभेदों को मिटा देता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अशोक कुमार द्वारा राज तरूण आफसेट, एलजीएफ 5-14, अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा ग्राम भुसना, पोस्ट भुसना, तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर (उ0प्र0) से प्रकाशित। **सम्पादक : अशोक कुमार (मो. 9651086162) सहायक सम्पादक : प्रमोद कुमार शुक्ल (मो. 9450497420)**। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सभी विवाद सीतापुर न्यायालय के आधीन होंगे।